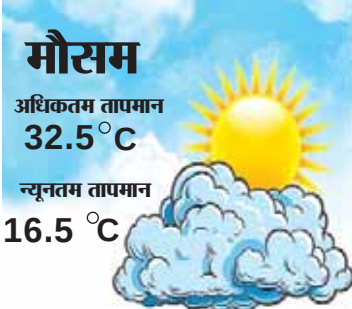




अब हर रोज दर्पण ▶▶ 3

स्वतंत्र मत

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें |



भाजपा सोशल मीडिया विभाग में महेश ... ▶▶ 4



‘शक’ से डिलीट हुए अनूप सोनी के सीन्स... ▶▶ 7



पीवी सिंधु और लक्ष्य सेन हाइलो ओपन ... ▶▶ 10

इंडिया ब्लॉक की रैली टालने की मांग पर राहुल गांधी बोले

ज्ञानेश को हटाएं...30 सेकेंड में रुक जाएगा आंदोलन

नई दिल्ली

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि दिल्ली के हर व्यापारी से हम आपसे प्यार करते हैं, आपकी बात सुन रहे हैं। उन्होंने कहा कि मेट्रो सरकार ने बंद की, सड़कें सरकार ने सील की, राजधानी पर ताला सरकार ने लगाया। राहुल गांधी ने कहा कि जब वोट ही चोरी हो जाए, तो कुछ भी सुरक्षित नहीं- न आपकी दुकान, न आपकी बचत, न आपके बच्चों का भविष्य। उन्होंने आगे लिखा कि मोदी जी से कहिए- आरोपी नंबर 4, ज्ञानेश कुमार को हटाएं, 30 सेकेंड में आंदोलन रुक जाएगा। दिल्ली के व्यापारियों ने रामलीला मैदान में एक नवंबर को प्रस्तावित कांग्रेस की रैली को स्थगित करने की मांग दोहराई है। उन्होंने निर्णय पर विचार करने के संबंध में दिए कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बयान का स्वागत किया। साथ ही, व्यापारियों ने कहा



दिल्ली के हर व्यापारी की हम बात सुन रहे हैं। मेट्रो सरकार ने बंद की, सड़कें सरकार ने सील की, राजधानी पर ताला सरकार ने लगाया। मोदी जी से कहिए- आरोपी नंबर 4, ज्ञानेश कुमार को हटाएं, 30 सेकंड में आंदोलन रुक जाएगा।

राहुल गांधी, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष

कि हमारा निवेदन है कि व्यापार के हित में रैली को दिवाली के बाद आयोजित किया जाए। व्यापारियों को दिवाली के त्योहार से पहले कांग्रेस की रैली के कारण भारी नुकसान की आशंका है। संगठन ने कहा कि 10 अक्टूबर को जंतर मंतर पर हुए धरने-प्रदर्शन में जिस तरह से पूरे दिल्ली में लॉकडाउन जैसे हालात पैदा हो गए थे। पहले ही अक्टूबर में 3 हजार करोड़ का नुकसान हो चुका है। हम नहीं चाहते कि दिवाली पीक सीजन में फिर वही हालात बनें। साथ ही, सीटीआई के चेयरमैन बृजेश गोयल ने मल्लिकार्जुन खड़गे से निवेदन किया कि व्यापारियों के हित में रैली को दिवाली के बाद आयोजित किया जाए। मल्लिकार्जुन खड़गे ने इस पर बयान दिया कि वे कांग्रेस पार्टी और अन्य विपक्षी गठबंधन के सहयोगियों के साथ चर्चा करके ही कोई अंतिम निर्णय लेंगे। हालांकि, राहुल गांधी के हालिया बयान से संकेत मिल रहा है कि विपक्षी दलों के इंडिया ब्लॉक की रैली रद्द नहीं होगी।

दिल्ली के किन बाजारों में पड़ेगा असर?

उन्होंने कहा कि रामलीला मैदान के आसपास 5 किलोमीटर के दायरे में दिल्ली के 20 बड़े-बड़े होलसेल और रिटेल बाजार हैं, जिनमें चांदनी चौक, सदर बाजार, कश्मीरी गेट, चावड़ी बाजार, दरियागंज, कमला मार्केट, भागीरथ पैलेस, खारी बावली, नया बाजार, अजाद मार्केट, दरीबा ज्वैलरी मार्केट, किनारी बाजार, नबी करीम, करोल बाग, झंडेवालान और जामा मस्जिद शामिल हैं। बाजारों में लगभग 3 लाख व्यापारी व्यापार करते हैं। अगर उनके परिवार के सदस्यों और दुकानों पर काम करने वाले कर्मचारियों को जोड़ दिया जाए तो लगभग 15 लाख लोगों की रोजी-रोटी इन 20 बाजारों से जुड़ी हुई है।

अमित शाह पर टिप्पणी मामले में राहुल गांधी बरी

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ कथित अपमानजनक टिप्पणी के मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को बड़ी राहत मिली है। सोमवार को सुल्तानपुर में एमपी-एमएलए कोर्ट ने मानहानि के इस मामले में राहुल गांधी को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया। स्पेशल मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा की अदालत ने यह फैसला सुनाया। फैसला आने के बाद समर्थकों ने खुशी जताई। मामला वर्ष 2018 में की गई एक टिप्पणी से जुड़ा है। कोतवाली देहात थाना क्षेत्र के हनुमानगंज निवासी भाजपा नेता विजय मिश्र ने अमित शाह के खिलाफ राहुल गांधी की टिप्पणी से नाराज होकर मानहानि का मुकदमा दायर किया था। इसके बाद मामले की सुनवाई एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट कोर्ट में चल रही थी।

राहुल का काफिला दुर्घटनाग्रस्त, जांच के लिए एसआईटी गठित

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के 26 अक्टूबर को सुल्तानपुर दौर के दौरान उनके काफिले के पीछे चल रहे वाहनों के दुर्घटनाग्रस्त होने की घटना की जांच के लिए उत्तर प्रदेश पुलिस ने एसआईटी का गठन किया है। पुलिस महानिदेशक के निर्देश पर गठित यह टीम हादसे के कारणों, परिस्थितियों और सुरक्षा में किसी संभावित चूक की पड़ताल करेगी। तीन सदस्यीय एसआईटी की अध्यक्षता लखनऊ परिक्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक किरण एस करंगे। टीम में सुलतानपुर के अपर पुलिस अधीक्षक बृज नारायण सिंह और यातायात के पुलिस उपाधीक्षक राम कृष्ण चतुर्वेदी को सदस्य बनाया गया है। एसआईटी को सभी पहलुओं की जांच कर विस्तृत रिपोर्ट जल्द से जल्द पुलिस मुख्यालय को सौंपने के निर्देश दिए गए हैं।

आज से ऑफलाइन रेलवे टिकट पर भी यात्रा बीमा

नई दिल्ली। अब रेलवे के रिजर्वेशन काउंटर से टिकट लेने वाले यात्री भी 45 पैसे के प्रीमियम पर 10 लाख तक का यात्रा बीमा ले सकेंगे। 127 अक्टूबर से देशभर के सभी आरक्षण काउंटर्स पर यह विकल्प मिलेगा। अभी तक यह सुविधा केवल आईआरसीटीसी से ऑनलाइन टिकट बुक करने वाले यात्रियों को मिलती थी। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद रेलवे ने ऑफलाइन टिकट लेने वाले यात्रियों के लिए भी बीमा का विकल्प उपलब्ध कराने की व्यवस्था की है। यह सुविधा भोपाल रेल मंडल के आरक्षण काउंटर्स पर भी मिलेगी। बीमा लेना वैकल्पिक होगा।

खड़े ट्रक से टकराई बस, पांच की मौत

रायपुर। रायपुर-बिलासपुर नेशनल हाईवे पर खड़े ट्रक से यात्री बस की भीषण टक्कर हो गई। हादसे में तीन लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि 16 यात्री घायल हो गए। घायलों में से दो ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। जानकारी के अनुसार, यात्री बस क्रमांक सीजी-04-एनएम-0859 रायपुर-बिलासपुर नेशनल हाईवे से गुजर रही थी। इसी दौरान सड़क किनारे खड़े ट्रक क्रमांक सीजी-07-बीएल-4370 से बस टकरा गई। मृतकों में बस चालक और हेल्पर भी शामिल हैं।

तमिलनाडु में 100 करोड़ का घोटाला, पूर्व मंत्री अरेस्ट

चेन्नई। तमिलनाडु के पूर्व स्कूल शिक्षा मंत्री और डीएमके नेता अनबिल महेश पोय्यामोझी को सोमवार को 100 करोड़ रुपये के प्राइवेट स्कूल घोटाले के मामले में गिरफ्तार किया गया। महेश पर आरोप है कि उन्होंने 2021 से 2026 तक स्कूल शिक्षा मंत्री रहने के दौरान 1,000 से ज्यादा प्राइवेट स्कूलों के प्रबंधन से पार्टी फंड के नाम पर पैसे वसूले। आरोप है कि इसके बदले स्कूलों को स्थायी मान्यता और अन्य प्रशासनिक मंजूरियां दी गईं। महेश ने मद्रास हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत भी लगाई थी। सोमवार को उनकी याचिका खारिज कर दी गई। कुछ घंटे बाद ही ग्रेटर चेन्नई पुलिस की सेंट्रल क्राइम ब्रांच ने उन्हें अरेस्ट कर लिया।

2.12 लाख करोड़ के रक्षा खरीद प्रस्तावों को मंजूरी

नई दिल्ली (वार्ता)

रक्षा मंत्रालय ने तीनों सेनाओं के लिए करीब 2.12 लाख करोड़ रुपए की रक्षा खरीद के प्रस्तावों को सोमवार को सैद्धांतिक मंजूरी दे दी जिनमें आधुनिक तोप प्रणाली, हल्के बहुउद्देशीय हेलीकॉप्टर, वायु रक्षा प्रणाली और निगरानी तथा हमले में सक्षम ड्रोन सहित कई उपकरणों की खरीद शामिल है। कुल प्रस्तावित खरीद में करीब 82 प्रतिशत खरीद भारतीय उद्योगों से की जाएगी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई रक्षा अधिग्रहण परिषद की बैठक में इन खरीद प्रस्तावों को मंजूरी दी गयी। इन प्रस्तावों में सेना के लिए उच्च गतिशीलता वाले वाहन, गन शॉट रिसपांस सिस्टम, मानवरहित हवाई प्रणालियों का मुकाबला करने वाली प्रणाली, लंबी दूरी के निगरानी ड्रोन, एकीकृत निगरानी एवं हमला प्रणाली और लंबी दूरी की कामिकाजे ड्रोन प्रणाली की खरीद भी शामिल है। उच्च गतिशीलता वाले वाहन



कठिन इलाकों में सेना की आवाजाही और रसद व्यवस्था को बेहतर बनाएंगे। स्वचालित चलित टैंक आधारित तोप प्रणाली से मशीनीकृत सैन्य टुकड़ियों को

उनकी जरूरत के अनुरूप गतिशीलता और मारक क्षमता मिलेगी। गन शॉट रिसपांस सिस्टम सैनिकों को वास्तविक समय में स्थिति की जानकारी देने में मदद करेगा।

युद्धक्षेत्र में टैंकों की सुरक्षा बढ़ाएगी

बहुत कम दूरी की वायु रक्षा प्रणाली छोटे आकार के नई पीढ़ी के हवाई खतरों से निपटेगी, जबकि मानवरहित हवाई प्रणालियों का मुकाबला करने वाली प्रणाली आधुनिक युद्धक्षेत्र में टैंकों की सुरक्षा बढ़ाएगी। निगरानी और ड्रोन प्रणालियों से सेना की निगरानी तथा लक्ष्य पर

निशाना साधने की क्षमता बढ़ेगी। नौसेना के लिए एक्टिव ऑफबोर्ड डिर्कांस सिस्टम और अन्य प्रमुख नौसैनिक प्लेटफॉर्म की खरीद को मंजूरी दी गई। एओडीएस पोत-रोधी मिसाइलों के खिलाफ मिसाइल रक्षा की मजबूती बढ़ाएगी।

मौसम रडार प्रणाली की खरीद को मंजूरी

स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित किए जाने वाले प्रमुख नौसैनिक प्लेटफॉर्म आधुनिक युद्ध की जरूरतों के अनुरूप होंगे और नौसेना की युद्ध क्षमता बढ़ाएंगे। वायु सेना के लिए हेलीकॉप्टर, वायु रक्षा प्रणाली, हथियार और मोबाइल एक्स-बैंड डॉप्लर मौसम रडार प्रणाली की खरीद को मंजूरी दी गई। विशेष उपयोग वाले हेलीकॉप्टर वायु सेना की महत्वपूर्ण हवाई परिवहन जरूरतों को पूरा करने में मदद करेंगे। वहीं, एक्स-बैंड डॉप्लर मौसम रडार प्रणाली अग्रिम क्षेत्रों में स्थानीय मौसम की उच्च-स्तरीय निगरानी उपलब्ध कराएगी।

हल्के बहुउद्देशीय हेलीकॉप्टरों का इस्तेमाल सेना और वायु सेना टोही, निगरानी, युद्ध, तलाशी एवं बचाव तथा मानवीय सहायता और आपदा राहत कार्यों में करेंगी।

केंद्र सरकार ने मोटर वाहन नियम में किए बदलाव

गया है। अधिकारियों के मुताबिक, फ्लेक्स-फ्यूल तकनीक का इस्तेमाल ब्राजील और अमेरिका जैसे देशों में बड़े पैमाने पर किया जा रहा है। इन वाहनों को विशेष रूप से एक ही ईंधन टैंक में इथेनॉल और पेट्रोल के विभिन्न मिश्रणों पर चलने के लिए डिजाइन किया गया है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि ई85 और ई100 ईंधन केवल उन्हीं वाहनों के लिए हैं जो विशेष रूप से इस उच्च-इथेनॉल मिश्रण पर चलने के

लिए डिजाइन और प्रमाणित किए गए हैं। पारंपरिक पेट्रोल की तुलना में इथेनॉल का फॉसिल कार्बन फुटप्रिंट काफी कम होता है, जिससे इसके कई दूरगामी लाभ मिलने वाले हैं। वाहनों में उच्च इथेनॉल मिश्रण का उपयोग करने से टेलपाइप से निकलने वाले कार्बन मोनोऑक्साइड और नुकसानदायक हाइड्रोकार्बन के उत्सर्जन में भारी कमी आएगी। वहीं, देश में इथेनॉल के अधिक उपयोग से भारत की कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता कम होगी, जिससे देश के विदेशी मुद्रा भंडार की भी बचत होगी।

दिमागी नक्सल और कॉकरोचों को पनपने न दें : मुख्यमंत्री सुवेंदु

कोलकाता । पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने सोमवार को कहा कि 'दिमागी नक्सल', 'टुकड़े-टुकड़े गैंग' और कॉकरोचों को पनपने न दें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ खड़े हों। सुवेंदु ने यह बातें तमलुक में भाजपा के पार्टी कार्यालय के भूमि पूजन के बाद पत्रकारों से बातचीत में कही। दो दिन में यह दूसरी बार है जब सुवेंदु ने कॉकरोच पार्टी पर निशाना साधा। रामनगर में एक कार्यक्रम में सुवेंदु ने कहा था कॉकरोच, खटमल जैसी बुराइयां कोरोना वायरस की तरह फैलने की कोशिश कर रही हैं। इन्हें कोटीनाशक स्प्रे 'हिट' से ही खत्म किया जा सकता है।

रीवा के परमाणु प्लांट पर सिंघार की आपत्ति

नेता प्रतिपक्ष बोले- क्या सरकार लोगों को कैंसर से मारना चाहती है

भोपाल (स्वतंत्र मत)

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उर्मण सिंघार ने रीवा के सरई गांव में प्रस्तावित परमाणु बिजलीघर को लेकर प्रदेश सरकार पर निशाना साधा है। सोमवार को भोपाल स्थित अपने सरकारी आवास पर प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने सवाल उठाया, क्या सरकार कैंसर के लिए पावर प्लांट डालना चाहती है? क्या आसपास के लोगों को मारना चाहती है? सिंघार ने परियोजना की साइट बदलने की मांग करते हुए आरोप लगाया कि इसके लिए गरीब आदिवासियों, दलितों और किसानों को उजाड़ने की तैयारी है। सिंघार के मुताबिक प्रस्तावित बिजलीघर के लिए सरकारी जमीन के अलावा करीब 150 हेक्टेयर निजी जमीन का अधिग्रहण किया जाना है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण लंबे समय से जल सत्याग्रह कर रहे हैं, लेकिन उनकी बात नहीं सुनी जा रही। उन्होंने कलेक्टर पर भी ग्रामीणों को हटाने की धमकी देने का आरोप लगाया।



सरपंच ने नहीं दी एनओसी

सिंघार ने बिजलीघर के लिए बोरिंग की अनुमति से जुड़े पत्र पर सवाल उठाते हुए कहा कि सरकार पंचायत की अनुमति मिलने की बात कह रही है, जबकि ग्रामसभा ने अनुमति देने से इनकार किया है। उनके अनुसार, सरपंच कोमल संजय सिंह ने आयुक्त और कलेक्टर को पत्र लिखकर संबंधित दस्तावेज को फर्जी बताया है। सरपंच ने कहा, ना मैंने साइन करी, ना मैंने एनओसी दी। उन्होंने मामले की जांच कराने की मांग की।

विमला की मौत पर मांगा जवाब

जल सत्याग्रह के दौरान विमला कोल की मौत का मुद्दा उठाते हुए सिंघार ने उनके परिवार को आर्थिक सहायता देने की मांग की। उन्होंने कहा कि मीडिया में महिला के घर दिन तक सत्याग्रह में शामिल रहने की खबरें आईं, जबकि कलेक्टर इसे सामान्य मौत बता रहे हैं। सिंघार ने मुख्यमंत्री से सवाल किया कि यदि कलेक्टर गलत जानकारी दे रहे हैं और मीडिया सही तथ्य सामने ला रहा है, तो सरकार निर्णय क्यों नहीं ले पा रही। उन्होंने कहा, क्या आप कलेक्टर की आंखों से प्रदेश चला रहे हो? क्या धृतराष्ट्र हो गए हो?



संसद को अधिक प्रभावी एवं जन केंद्रित बनाने की जरूरत : बिरला विदेशी प्रतिनिधिमंडलों के नेताओं से मिले मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को यहां 12वें ब्रिक्स संसदीय मंच के उद्घाटन में हिस्सा लिया और विदेशी प्रतिनिधिमंडलों के नेताओं से मुलाकात की। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला दो दिन के इस सम्मेलन की अध्यक्षता कर रहे हैं। इसमें ब्रिक्स के 11 सदस्य देशों और 10 साझेदार देशों के संसदीय प्रतिनिधिमंडल भाग ले रहे हैं। श्री मोदी कुछ देर के लिए सम्मेलन में पहुंचे और सदस्य देशों के संसदीय प्रतिनिधिमंडलों के प्रमुख नेताओं से मुलाकात की। विदेश मंत्री एस जयशंकर और कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने भी ईरानी नेताओं से मुलाकात की। पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव के मद्देनजर इन मुलाकातों को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सम्मेलन का आयोजन संसद भवन परिसर के संविधान सदन के केन्द्रीय कक्ष में किया जा रहा है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने ब्रिक्स देशों से दक्षिण गोलाार्ध के विकासशील देशों की आवाज मजबूत करने और उनकी आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए मिलकर काम करने का आह्वान करते हुए कहा है कि विश्व स्तर पर ब्रिक्स की भूमिका तेजी से बढ़ रही है इसलिए उसकी साझा प्रतिबद्धताओं को ठोस परिणामों में बदलने तथा संसदों को अधिक प्रभावी एवं जन-केंद्रित बनाने की जरूरत है।

बिना मूल्यांकन करीब ढाई लाख रुपये आहरण करने का आरोप, सरपंच-सचिव की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)

जनपद पंचायत समनापुर अंतर्गत ग्राम पंचायत बंजरा में मुख्य मार्ग से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तक निर्मित सीमेंट कांक्रीट सड़क की गुणवत्ता और सरकारी राशि के उपयोग को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। पांचवें राज्य वित्त आयोग से लगभग 2 लाख 74 हजार रुपये की लागत से निर्मित सीसी सड़क को लेकर ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि निर्माण के महज एक महीने के भीतर ही सड़क जगह-जगह से दरकने लगी है। ग्रामीणों का दावा है कि निर्माण कार्य में निर्धारित मापदंडों की अनदेखी की गई और मूल्यांकन प्रक्रिया पर भी सवाल हैं। इस मामले में सबसे गंभीर आरोप यह है कि सरपंच और सचिव ने कथित तौर पर निर्माण कार्य का विविधत मूल्यांकन कराए बिना ही लगभग ढाई लाख रुपये की राशि आहरित कर ली। यदि यह आरोप सही पाया जाता है, तो यह जांच का विषय होगा कि आखिर किस आधार पर राशि का भुगतान और आहरण किया गया। सवाल यह है कि



निर्माण कार्य का तकनीकी मूल्यांकन किसने किया? क्या सड़क की गुणवत्ता और निर्धारित मापदंडों की जांच की गई थी? यदि मूल्यांकन के बिना ही राशि आहरित की गई, तो इसके लिए जिम्मेदार कौन है? इन सवालों का जवाब संबंधित पंचायत पदाधिकारियों और विभागीय अधिकारियों की जांच से ही सामने आ सकेगा। ग्रामीणों के अनुसार, सड़क की चौड़ाई लगभग दो से ढाई मीटर है और मौके पर इसकी मोटाई करीब 4 से 5 इंच दिखाई देती है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि निर्माण के बाद पर्याप्त तराई नहीं की गई। सड़क की स्थिति देखकर निर्माण की गुणवत्ता और

सवाल उठ रहे हैं। इतना ही नहीं, कार्यस्थल पर निर्माण की लागत, कार्य एजेंसी और अन्य जरूरी जानकारीयां दर्शाने वाला सूचना पटल भी नहीं लगाया गया। ऐसे में ग्रामीणों का सवाल है कि सरकारी राशि से निर्माण होने के बावजूद कार्य की जानकारी सार्वजनिक क्यों नहीं की गई? निर्माण कार्य के अलावा ग्राम पंचायत के सचिव की कार्यप्रणाली को लेकर भी ग्रामीणों ने गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि सचिव नियमित रूप से पंचायत भवन नहीं पहुंचते। हस्ताक्षर कराने या पंचायत से संबंधित काम के लिए ग्रामीणों को बार-बार चक्कर लगाने पड़ते हैं। ग्रामीणों के मुताबिक, सचिव से काम कराने के लिए उन्हें कभी-कभी 30 से 35 किलोमीटर दूर तक जाना पड़ता है। इसके बाद भी सचिव नहीं मिलते, तो उन्हें निराश होकर वापस लौटना पड़ता है। सवाल यह है कि ग्रामीणों को अपने ही पंचायत के सामान्य कामों के लिए इतनी परेशानी क्यों उठानी पड़ रही है? ग्रामीणों का दावा है कि मामले की शिकायत जनपद पंचायत से लेकर जिला स्तर तक की गई है। इसके बावजूद सड़क निर्माण की गुणवत्ता और

कथित वित्तीय अनियमितताओं को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी है। जनपद पंचायत समनापुर के अंतिम छोर पर स्थित ग्राम पंचायत बंजरा में यदि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर सवाल उठ रहे हैं और ग्रामीणों को पंचायत सचिव से संबंधित कामों के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ रही है, तो यह प्रशासनिक निगरानी की स्थिति पर भी सवाल खड़े करता है। क्या संबंधित पीसीओ, उपयंत्री और जनपद पंचायत के सीईओ ने निर्माण कार्य का निरीक्षण किया था? क्या राशि आहरण से पहले आवश्यक मूल्यांकन और तकनीकी प्रक्रिया पूरी की गई थी? यदि प्रक्रिया पूरी हुई, तो सड़क की वर्तमान स्थिति की जांच भी होनी चाहिए।

अब जांच में तय हो जवाबदेही- मामले में सड़क की वास्तविक मोटाई, निर्माण सामग्री की गुणवत्ता, तकनीकी मूल्यांकन, माप पुस्तिका, भुगतान और राशि आहरण से जुड़े दस्तावेजों की जांच जरूरी है। साथ ही यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि निर्माण कार्य का मूल्यांकन किसने किया और भुगतान की स्वीकृति किस आधार पर दी गई।

हाईवे पर ट्रक से अलग होकर गिरा राखड़ टैंक



उमरिया (स्वतंत्रमत)। जिले के चंदिया थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे-43 पर सोमवार सुबह हादसा घटित हो गया। यहां अंधे मोड़ की पुलिया के पास एक ट्रक से राखड़ से भरा टैंक अलग होकर सड़क किनारे गिर गया। टैंक गिरने से उसमें भरा राखड़ सड़क पर बिखर गया, जिससे हाईवे पर यातायात प्रभावित हुआ। वाहन चालक सुरक्षित बताए जा रहे हैं। घटना से वाहन चालक को किसी भी प्रकार की क्षति नहीं पहुंची है। जानकारी के अनुसार, ट्रक क्रमांक एमपी 18 एच 5004 उमरिया से कटनी जा रहा था। घटना के कारण यातायात मार्ग बन्दे हो गया है। चंदिया थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे-43 के अंधे मोड़ पर पुलिया से गुजरते समय ट्रक को जोरदार झटका लगा। इसी झटके से टैंक ट्रक से अलग होकर सड़क पर जा गिरा। राखड़ बिखरने और टैंक सड़क किनारे गिरने से वाहनों को निकलने के लिए कम जगह मिल रही है। इससे गुजरने वाले वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है और उन्हें सावधानी से निकलना पड़ रहा है।

दुकान में घुसा अनियंत्रित कैप्सूल बेटे की दर्दनाक मौत, पिता गम्भीर



उमरिया (स्वतंत्रमत)। चंदिया थाना अंतर्गत हाइवे पर अनियंत्रित कैप्सूल ट्रक ने परिवार के पालनहार को ही मौत के घाट उतार दिया। प्राप्त जानकारी अनुसार सोमवार की सुबह कटनी से उमरिया की ओर आ रहा एमपी 18 जेडडी 1174 कैप्सूल वाहन अज्ञात कारणों से अनियंत्रित हुआ और चंदिया में हाइवे के बगल में मौजूद नल्यू कुशवाहा की दुकान में

घुस गया। इस दौरान बेटा संतोष कुशवाहा 38 वर्ष अनियन्त्रित हाइवा की चपेट में आ गया, जिससे उसकी घटना स्थल पर ही मौत हो गई,वही पिता नल्यू कुशवाहा इस हादसे में गम्भीर रूप से घायल है,जिसे घटना के बाद 108 की मदद से पहले चंदिया अस्पताल लाया गया,जहाँ प्राथमिक उपचार कर पिता को जिला अस्पताल रेफेर किया गया है। चंदिया हाइवे पर कुछ लोग कच्चा मकान बनाकर वाहनों की धुलाई आदि के लिए पानी की सप्लाई करते है,खबर है कि इसी कार्य को पीड़ित परिवार वर्षों से कर रहा था।सोमवार की सुबह इस दर्दनाक हादसे ने परिवार के पालनहार को मौत की नींद सुला दिया, वही हादसे में गम्भीर पिता भी जिंदगी-मौत से जूझ रहा है हाइवे पर रेलमपेल दौड़ रहे वाहन बीते वर्षों में कई जिंदगियाँ तबाह कर रहे है,खास तौर से ओवरलोड वाहनों ने तो जैसे हाइवे पर धमाचौकड़ी ही मचा कर रखी है।

न्यायालय प्रांगण बुढ़ार में मध्यस्थता को बढ़ावा देने के पुनीत उद्देश्य से नुक्कड़ नाटक की छात्रों ने दी मनोहारी प्रस्तुति

बुढार (स्वतंत्रमत)। तहसील विधिक सेवा समिति बुढार द्वारा सोमवार को न्यायालय प्रांगण में मीडिएशन फॉर नेशन 3.0 अभियान के अंतर्गत आमजन को मध्यस्थता प्रक्रिया के प्रति जागरूक करने तथा आपसी सहमति एवं संवाद के माध्यम से विवादों का त्वरित, सरल एवं सौहार्दपूर्ण निराकरण किये जाने के संबंध में जन जागरूकता तथा नुक्रड़ नाटक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के मार्गदर्शन एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण काशीनाथ सिंह के निर्देशन में तथा जिला अपर सत्र न्यायाधीश/ अध्यक्ष तहसील विधिक सेवा समिति बुढ़ार अध्यक्ष सुशील कुमार अग्रवाल की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। इस अवसर पर अतिरिक्त न्यायिक



मजिस्ट्रेट नरेंद्र कुमार भण्डारी, प्रथम व्यवहार न्यायाधीश दिव्या रामटेके की विशिष्ट उपस्थिति रही। वहीं अधिभाषक संघ बुढार के अध्यक्ष जयकांत मिश्रा (एड.), वरिष्ठ अधिवक्ता कामता प्रसाद गौतम, नगर निरीक्षक बुढार खेम सिंह पेन्द्रों, थाना प्रभारी धनपुरी विनय सिंह गहरवार, अधिवक्ता आम प्रकाश पाण्डेय, सतेन्द्र शुक्ला, सुशील मिश्रा, शासकीय अधिवक्ता आलोक राय, अधिवक्ता

अरविंद साहनी, शैलेन्द्र सिंह, मयूर मिश्रा, इन्द्र कुमार तिवारी, जिंदर मिश्रा, शंकर लोधी, रामकृष्ण गुप्ता, यासिर कैफ़े, उमेश नामदेव, हरीशचंद्र केवट, बिहारी लाल साहु, मंजु तोमर, रेखा गुप्ता सहित अधिवक्ताओ व पक्षकारों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय बुढार के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ अनिल कुमार उपाध्याय, डॉ आर.एस. नापित, डॉ

दिनेश वर्मा के कुशल मार्गदर्शन में बुढार महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा अधिवक्ताओं तथा पक्षकारों के मध्य मध्यस्थता के प्रति जागरूकता लाने तथा पति-पत्नी के मध्य उपजने वाले विवादों को आपसी रजामंदी से समस्या के समाधान निपटाने से प्रेरित नुक्रड़-नाटक का मंचन किया, जिसकी साराहना की गई। इस अवसर पर जिला अपर सत्र न्यायाधीश/ अध्यक्ष तहसील विधिक सेवा समिति अध्यक्ष सुशील कुमार अग्रवाल ने अपने प्रेरक उद्घोषन में कहा कि पीड़ितों को न्याय दिलावाने तथा पारिवारिक विवादों के मध्यस्थता के माध्यम से निराकृत करने के लिए न्यायधीश तथा अधिवक्ताओं की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है, और दाम्पत्य जीवन की पुर्नस्थापना के लिए मध्यस्थता के माध्यम से प्रयास किया जाना अत्यावश्यक है।

ग्राम तेंदुआढ़ में रेलवे लाइन के लिए भूमि अधिग्रहण का विरोध, किसानों ने रखीं 5 प्रमुख मांगें

शहडोल/जयसिंहनगर (स्वतंत्रमत)

शहडोल जिले के अंतर्गत ग्राम पंचायत तेंदुआढ़ में ब्यूहारी से जोबा तक प्रस्तावित दोहरी रेलवे लाइन के लिए भूमि अधिग्रहण को लेकर किसानों ने अपनी मांगें उठाई हैं। इस संबंध में ग्रामीणों एवं किसानों ने अनुविभागीय अधिकारी, जयसिंहनगर के नाम आवेदन सौंपकर भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया में उचित मुआवजा एवं अन्य सुविधाएं सुनिश्चित करने की मांग की है। आवेदन में किसानों ने बताया कि पूर्व में ब्यूहारी से सिंगरीली तक रेलवे लाइन बिछाने के दौरान 500 एकड़ से अधिक भूमि अधिग्रहित की गई थी। अब ब्यूहारी से जोबा तक प्रस्तावित नई रेल लाइन के लिए पुनः 100 एकड़ से अधिक भूमि अधिग्रहित किए जाने की बात कही गई है। किसानों का कहना है कि इससे कई परिवार भूमिहीन हो सकते हैं तथा किसानों की प्रमुख मांगें किसानों ने अपने आवेदन में पांच प्रमुख मांगें रखी हैं। भूमि के



बदले रोजगार, जिन किसानों की जमीन अधिग्रहित की जाती है, उनके परिवारों को नौकरी दी जाए, ताकि उनकी आजीविका प्रभावित न हो। वर्तमान खसरे के आधार पर मुआवज़ारू भूमि अधिग्रहण में वर्ष 2025 के आधार को ध्यान में रखते हुए वर्तमान खसरे के अनुसार प्रक्रिया की जाए। वर्तमान बाजार दर से मुआवज़ा, अधिग्रहित भूमि का मुआवज़ा ग्राम में भूमि की खरीद-बिक्री की वर्तमान दर के आधार पर निर्धारित किया जाए। मूलभूत

सुविधाओं की व्यवस्था, भूमि अधिग्रहण के बाद शेष बची जमीन तक पहुंचने के लिए बिजली, पानी और सड़क जैसी मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। घर, पेड़-पौधों और बोरवेल का उचित मूल्य, भूमि अधिग्रहण के दौरान प्रभावित किसानों के मकान, पेड़-पौधों और बोरवेल का मूल्यांकन पारदर्शी तरीके से कर उचित मुआवज़ा दिया जाए। किसानों ने आवेदन के माध्यम से स्पष्ट किया है कि जब तक उनकी मांगों पर उचित निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक भूमि अधिग्रहण के लिए

नक्शा तरमीम की प्रक्रिया आगे न बढ़ाई जाए। मांगें पूरी नहीं होने की स्थिति में किसानों ने धरना-प्रदर्शन करने के लिए मजबूर होने की बात कही है। इसकी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। ग्रामीणों एवं किसानों ने प्रशासन से मांग की है कि रेलवे लाइन के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया में किसानों के हितों को प्राथमिकता देते हुए उचित मुआवज़ा, रोजगार और मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं।

सरहरी तिराहे पर तेज रफ्तार कार ने बाइक (लूना) को मारी टक्कर, तीनों सवार घायल, दो की हालत गंभीर



डिंडौरी (स्वतंत्र मत)। जिले में तेज रफ्तार का कहर एक बार फिर देखने को मिला। सोमवार सुबह जबलपुर-अमरकंटक नेशनल हाईवे पर ग्राम सरहरी के तिराहे के पास तेज रफ्तार कार और लूना के बीच जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे के समय लूना पर तीन लोग सवार थे। दुर्घटना में तीनों घायल हो गए, जिनमें दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। घटना डिंडौरी कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत जिला मुख्यालय से लगभग सात किलोमीटर दूर ग्राम सरहरी की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सोमवार सुबह करीब 9 बजे सरहरी तिराहे के पास कार ने लूना को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद लूना सवार तीनों लोग घायल हो गए। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, घातकों में सरहरी निवासी घूमन गौड़ (50 वर्ष) शामिल हैं, जबकि अन्य दो घायल बिछिया क्षेत्र के निवासी बताए जा रहे हैं। तीनों एक ही लूना पर सवार होकर समरिया की ओर से डिंडौरी आ रहे थे। इसी दौरान सरहरी तिराहे के पास उनकी लूना तेज रफ्तार कार की चपेट में आ गई। हादसे में तीनों को चोटें आईं। इनमें दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। हालांकि, घायलों के उपचार और उनकी वर्तमान स्वास्थ्य स्थिति के संबंध में विस्तृत जानकारी सामने आना बाकी है। दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। हादसे से आक्रोशित कुछ ग्रामीणों ने कार में आग लगाने का प्रयास किया। इससे मौके पर तनाव की स्थिति बनने की आशंका पैदा हो गई। हालांकि, वहां मौजूद अन्य ग्रामीणों ने सूझबूझ दिखाते हुए लोगों को समझाया, जिससे बड़ी घटना होने से टल गई। हादसे के संबंध में पुलिस की आधिकारिक कार्रवाई, कार चालक की स्थिति और घायलों के उपचार से जुड़ी विस्तृत जानकारी की पुष्टि होना बाकी है। संबंधित जानकारी सामने आने पर खबर को अपडेट किया जाएगा।

मुख्यमंत्री के शहडोल आगमन पर कांग्रेस नेताओं ने किया विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस से झड़प, कांग्रेस कार्यकर्ता हिरासत में

भाजपा सरकार की किसान विरोधी नीतियों, कथित वोट चोरी, महंगाई, बेरोजगारी और बढ़ाहाल कानून-व्यवस्था के विरोध में कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

शहडोल (स्वतंत्रमत)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के शहडोल आगमन पर जिला कांग्रेस कमेटेी ने भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ काले झंडे दिखाकर विरोध प्रदर्शन करने का प्रयास किया। जिला कांग्रेस कमेटेी के जिलाध्यक्ष अजय अवस्थी के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदेश सरकार की नीतियों के प्रति अपना आक्रोश व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री के कार्यक्रम स्थल की ओर कूच किया। हालांकि, कांग्रेस भवन से कार्यक्रम स्थल की ओर जा रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पुलिस ने रास्ते में ही रोक दिया। इस दौरान पुलिस और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच झड़प की स्थिति निर्मित हो गई, जिसके बाद पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं के हिरासत में ले लिया। जिला कांग्रेस कमेटेी द्वारा मुख्यमंत्री के आगमन पर विरोध प्रदर्शन की पूर्व तैयारी की गई थी। कांग्रेस का कहना है कि प्रदेश की भाजपा सरकार की नीतियों से किसान, युवा और आम नागरिक परेशान हैं। प्रदेश में बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की समस्याओं, कथित वोट चोरी तथा शहडोल जिले की बढ़हाल कानून-व्यवस्था जैसे गंभीर मुद्दों को लेकर जनता में असंतोष व्याप्त है। इन्हीं जनहित से जुड़े मुद्दों को

लेकर कांग्रेस ने मुख्यमंत्री के सामने अपना विरोध दर्ज कराने का निर्णय लिया था। जिला कांग्रेस कमेटेी के जिलाध्यक्ष अजय अवस्थी के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ता काले झंडे लेकर मुख्यमंत्री के कार्यक्रम स्थल की ओर आगे बढ़ रहे थे। कांग्रेस कार्यकर्ताओं का उद्देश्य प्रदेश सरकार की नीतियों के खिलाफ विरोध दर्ज कराना और जनता से जुड़े महत्वपूर्ण सवालों को सरकार के समक्ष उठाना था। लेकिन पुलिस द्वारा कार्यकर्ताओं को रोक दिए जाने के बाद माहौल तनावपूर्ण हो गया और दोनों पक्षों के बीच झड़प हुई। इसके बाद पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया।

किसान विरोधी नीतियों और बढ़ती महंगाई के

खिलाफ कांग्रेस का आक्रोश

कांग्रेस ने आरोप लगाया कि प्रदेश की भाजपा सरकार किसानों की समस्याओं के समाधान और उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के मामले में अपेक्षित कदम नहीं उठा रही है। किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य, कृषि संबंधी समस्याओं से राहत और आर्थिक सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण



मुद्दों पर सरकार को जवाब देना चाहिए। कांग्रेस का कहना है कि खेती-किसानी से जुड़े सवालों की अनदेखी के कारण किसानों के सामने लगातार चुनौतियां बनी हुई हैं। पार्टी ने बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी को लेकर भी प्रदेश सरकार पर निशाना साधा। कांग्रेस के अनुसार, महंगाई के कारण आम परिवारों का घरेलू बजट प्रभावित हो रहा है, वहीं रोजगार के पर्याप्त

अवसरों की कमी से युवाओं में निराशा बढ़ रही है। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि सरकार जनसमस्याओं के समाधान के बजाय अपनी उपलब्धियों का प्रचार करने में अधिक व्यस्त है।

कथित वोट चोरी और कानून-व्यवस्था पर उठाए सवाल

कांग्रेस ने लोकतांत्रिक प्रक्रिया की पारदर्शिता और कथित वोट चोरी के मुद्दे को भी अपने विरोध प्रदर्शन का प्रमुख आधार बताया। पार्टी का कहना है कि लोकतंत्र में जनता के मताधिकार की रक्षा और चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है। इसके साथ ही कांग्रेस ने शहडोल जिले की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि आम नागरिकों में सुरक्षा की भावना मजबूत करना शासन और प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। जिले में कानून-व्यवस्था से संबंधित समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए उनके प्रभावी निराकरण के लिए ठोस कदम उठाए जाने चाहिए।

जनहित के मुद्दों पर सरकार को जवाब देना चाहिए – कांग्रेस- जिला कांग्रेस कमेटेी का कहना है कि लोकतंत्र में विपक्ष की जिम्मेदारी केवल सरकार की

नीतियों की आलोचना करना नहीं, बल्कि जनता की समस्याओं को उठाना और सरकार को जवाबदेह बनाना भी है। कांग्रेस ने स्पष्ट किया कि किसानों, युवाओं, आम नागरिकों और जिले की समस्याओं से जुड़े मुद्दों को लेकर पार्टी अपनी आवाज उठाती रहेगी। कांग्रेस के अनुसार, मुख्यमंत्री का शहडोल आगमन जनता की समस्याओं को सामने रखने का एक महत्वपूर्ण अवसर था। पार्टी इन मुद्दों पर सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहती थी, लेकिन कार्यकर्ताओं को कार्यक्रम स्थल तक पहुंचने से रोक दिया गया और उन्हें हिरासत में ले लिया गया। जिला कांग्रेस कमेटेी ने दोहराया कि भाजपा सरकार की नीतियों, किसानों की समस्याओं, बेरोजगारी, महंगाई, कथित वोट चोरी और कानून-व्यवस्था जैसे मुद्दों पर कांग्रेस का विरोध आगे भी जारी रहेगा। पार्टी ने कहा कि जनता के हितों की रक्षा और जनसमस्याओं के समाधान के लिए लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष करना कांग्रेस की प्राथमिकता है। इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटेी के जिला पदाधिकारी, वरिष्ठ कांग्रेसजन, ब्लॉक, मंडल एवं सेक्टर अध्यक्ष, युवा कांग्रेस, महिला कांग्रेस, कांग्रेस सेवादल, एनएसयूआई सहित पार्टी के सभी मोर्चा एवं प्रकोष्ठों के पदाधिकारी तथा कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।



संगीता राज
टीचर
के.सी. हितकारिणी
चिल्ड्रन्स एकेडमी,
जोसगंज, जबलपुर।

टीचर
हितकारिणी हायर सेकेंडरी, स्कूल,
गोरखपुर, जबलपुर।



आज कंप्यूटर, मोबाइल, इंटरनेट, उपग्रह तकनीक, मौसम का पूर्वानुमान और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे क्षेत्रों का विकास गणित के बिना संभव नहीं है। गणितीय गणनाएँ और कलन

गणित ज्ञान, तर्क और विकास का आधार है। इसे कठिन विषय समझने के लिए समझने और सीखने की कला के रूप में देखा चाहिए। नियमित अभ्यास, अवधारणाओं को समझने और दैनिक जीवन से जुड़ाव के माध्यम से गणित को सरल बनाया जा सकता है। शिक्षा के दक्षता विद्यार्थियों को न केवल शिक्षा में सफल होने, बल्कि जीवन की चुनौतियों का सामना करने में भी सहायता करती है।

उत्तर - 24।

था, कृष्ण की दूसरी मां-3
26. उकसावा, बढ़ावा-2
28. मैदे की एक प्रकार की
रोटी-2

शब्द पहेली - 9015 का हल

न	ट	व	र	ना	ग	र	
क		म		ज	का		
ज	र	जा	हि	रा	जी	त	
ख		ज	न		ज	मा	ल
र	च	ना				ज	वा
द		ना	स		दा	रा	गा
स्न	र	मा	न	ना	ख	र	
	ध	धा		पा		ल	
		स	न	स	नी	कै	ल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

सतना में घरेलू गैस सिलेंडरों का कॉमर्शियल खेल होटलों में धड़ल्ले से उपयोग विभागीय जांच हो तो होगा बड़ा खुलासा, सब्सिडी को लाखों का चूना



सतना स्वतंत्रमत।

शहर में घरेलू रसोई गैस सिलेंडरों का व्यावसायिक उपयोग खुलकर किया जा रहा है। होटल ढाबा और रेस्टोरेंट संचालक सस्ता पड़ने के कारण 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू सिलेंडरों का धड़ल्ले से उपयोग कर रहे हैं जबकि यह नियमों के विरुद्ध है। शहर के स्टेशन रोड व सिविल लाइन क्षेत्र के कई ढाबों पर रोजाना 4 से 5 घरेलू सिलेंडर उपयोग में लाए जा रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि व्यावसायिक सिलेंडर 1800 से 2000 रुपये का होने से लागत बढ़ती है जबकि घरेलू सिलेंडर 850 से 900 रुपये में आसानी से मिल जा रहा

है। इससे सरकार को सब्सिडी पर लाखों रुपये का नुकसान हो रहा है। सूत्रों के अनुसार कुछ होटलों में तो रसोई में 5 से 6 घरेलू सिलेंडर एक साथ रखकर भोजन तैयार किया जा रहा है। खाद्य आपूर्ति विभाग की अनदेखी से यह खेल लंबे समय से जारी है।

एजेंसी और विभाग की मिलीभगत

जांच में यह मामला सामने आया है कि कुछ गैस एजेंसियां होटल संचालकों को घरेलू सिलेंडरों की आपूर्ति कर रही हैं। निर्धारित नियमों के अनुसार घरेलू सिलेंडर



केवल घरेलू उपभोक्ताओं को ही दिया जाना है लेकिन कमीशन के खेल में एजेंसी कर्मी जानबूझकर व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को सिलेंडर उपलब्ध करा रहे हैं। नाम न बताने की शर्त पर एक डिलीवरी बॉय ने बताया कि रोजाना 10.15 सिलेंडर होटलों में पहुंचाए जा रहे हैं और इसके एवज में अतिरिक्त शुल्क लिया जाता है। खाद्य आपूर्ति विभाग के अधिकारियों की उदासीनता और नियमित जांच न होने के कारण काला बाजारी को बढ़ावा मिल रहा है। कई बार शिकायत के बाद भी कार्रवाई नहीं होने से एजेंसियों के हौसले बुलंद हैं। उपभोक्ताओं का आरोप है कि असली उपभोक्ताओं को सिलेंडर समय पर नहीं

मिल रहा और कालाबाजारी में सिलेंडर 1200 से 1300 रुपये में बेचा जा रहा है।

जांच की मांग

इस गंभीर मामले को लेकर स्थानीय नागरिकों और सामाजिक संगठनों ने उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। जागरूक नागरिक समिति के अध्यक्ष ने कहा कि यदि निष्पक्ष जांच हो तो बड़ा घोटाला सामने आएगा। उन्होंने कलेक्टर से मांग की है कि खाद्य आपूर्ति विभाग और गैस एजेंसियों की संयुक्त जांच कर दोषियों पर कठोर कार्रवाई की जाए। साथ ही सभी होटलों व ढाबों का औचक निरीक्षण कर घरेलू गैस सिलेंडरों की जव्की की जाए।

भाजपा सोशल मीडिया विभाग में महेश कुमार एवं संजय को मिली जिला सदस्य की जिम्मेदारी

सतना स्वतंत्रमत। भारतीय जनता पार्टी जिला सतना के सोशल मीडिया विभाग में संजय गुप्ता एवं महेश कुमार गुप्ता को जिला सदस्य का दायित्व सौंपा गया है। यह नियुक्ति 25 अक्टूबर को जारी संगठनात्मक सूची के तहत भाजपा जिलाध्यक्ष पं. भगवती प्रसाद पाण्डेय की अनुशंसा पर की गई है। इस अवसर पर संजय गुप्ता एवं महेश कुमार गुप्ता ने प्रदेशाध्यक्ष माननीय हेमंत खण्डेलवाल प्रदेश सोशल मीडिया संयोजक सुयश त्यागी संभाग प्रभारी विजय दुबे सोशल मीडिया संभाग प्रभारी राजीव सिंह जिला प्रभारी जी.एस्. ठाकुर राज्य मंत्री नगरीय विकास एवं आवास विभाग श्रीमती प्रतिमा बागरी लोकप्रिय सांसद गणेश सिंह महापौर योगेश ताम्रकार भाजपा जिलाध्यक्ष प.भगवती प्रसाद पाण्डेय जिला संयोजक सोशल मीडिया विभाग महेंद्र तिवारी सहित संगठन एवं पार्टी के समस्त वरिष्ठ पदाधिकारियों के प्रति हृदय



की गहराइयों से आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पार्टी संगठन द्वारा सौंपी गई इस जिम्मेदारी का निर्वहन पूरी निष्ठा ईमानदारी एवं समर्पण के साथ किया जाएगा। सोशल मीडिया के माध्यम से पार्टी की विचारधारा संगठनात्मक गतिविधियों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं को जन.जन तक पहुंचाने तथा संगठन की और अधिक मजबूत बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे। संजय गुप्ता एवं महेश कुमार गुप्ता ने शीर्ष नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन ने जो विश्वास जताया है उस पर खरा उतरते हुए पार्टी की सेवा और संगठनात्मक कार्यों में सक्रिय योगदान देना उनकी प्राथमिकता रहेगी।

सतना स्वतंत्रमत।

श्रीमती शांति मिश्रा जन्म शताब्दी समारोह के अवसर पर पं.गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के अध्यक्ष डॉ.राकेश मिश्र के नेतृत्व में आयोजित सतना हाफमैराथन 2026 का सातवां संस्करण रविवार को अभूतपूर्व उत्साह जनभागीदारी और खेल भावना के साथ संपन्न हुआ। शासकीय व्यंकट उक्तष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक.1 के खेल मैदान से आयोजित इस प्रतियोगिता में देश के 22 राज्यों के 91 जिलों से आए कुल 5.29 धावकों ने हिस्सा लिया। इनमें लगभग 2.500 महिलाओं को भागीदारी विशेष आकर्षण का केंद्र रही। पूरे शहर में सूरज की पहली किरण के साथ गुलाबी रंग की छटा धावकों का उत्साह नागरिकों की



सहभागिता और जगह.जगह हुए स्वागत.सत्कार ने सतना को उत्सव के नगर में बदल दिया। 21 किलोमीटर हाफ मैराथन 10 किलोमीटर युवा दौड़ और 5 किलोमीटर अमृत दौड़ के माध्यम से खेलए स्वास्थ्यए फिटनेस सामाजिक समरसता और महिला सशक्तीकरण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मध्य प्रदेश शासन के खेल एवं युवा कल्याण

मंत्री विश्वास कैलाश सारंग के मुख्य आतिथ्य में हुआ। विशिष्ट अतिथियों में मध्य प्रदेश शासन के आनंद विभाग के राज्यमंत्री ,स्वतंत्र प्रभार लखन पटेल भारतीय जनता पार्टी मध्य प्रदेश के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं मध्य प्रदेश पाठ्यपुस्तक निगम के पूर्व अध्यक्ष शैलेन्द्र बरुआ मध्य प्रदेश स्टेट सिविल सप्लाइज कॉर्पोरेशन के उपाध्यक्ष श्री संजीव कांकर सतना के महापौर योगेश



कुमार ताम्रकार विजय यादव भाजपा जिला अध्यक्ष भगवती प्रसाद पांडेय बिरला विकास हॉस्पिटल के निदेशक डा.संजय माधेश्री सार्थक हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. सुनील अग्रवाल सतीश सुखेजा तथा चित्रकूट विधानसभा क्षेत्र के विधायक सुरेंद्र सिंह गहरवार उपस्थित रहे। अतिथियों ने परम पूज्य माताजी के चिर के समक्ष दीप प्रज्वलित कर उनका आशीर्वाद प्राप्त

शरीर और सकारात्मक जीवनशैली के लिए खेलों को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना आवश्यक है। प्रत्येक व्यक्ति को अपनी सचि के अनुसार कम से कम एक खेल अवश्य अपनाना चाहिए। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को स्वस्थ प्रसन्न और सक्रिय जीवन के लिए शुभकामनाएं देते हुए सेवा न्यास की पूरी टीम को बधाई दी। कलेक्टर डॉ.सतीश कुमार एस.ने खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए कहा कि सतना हाफ मैराथन जैसे आयोजन प्रतिवर्ष होने चाहिए। इस प्रकार के कार्यक्रम युवाओं में ऊर्जा उत्साह और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना पैदा करते हैं। उन्होंने कहा कि देश के विभिन्न राज्यों से आए धावकों ने खेल भावना और अनुशासन के साथ भाग लेकर आयोजन को यादगार बनाया है।

70 वी राज्य स्तरीय शालेय क्रिकेट प्रतियोगिता में सेमीफाइनल में पहुँचने के लिए टीमों ने लगाया जोर

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। प्रदेश के स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री उदयप्रताप सिंह के प्रयासों से नगर के रूढ़ कॉलेज मैदान सहित विभिन्न मैदानो पर 70 वी राज्य स्तरीय शालेय क्रिकेट प्रतियोगिता के मेचो में एकरफा एवं रोमांचक मुकाबले देखने मिल रहे है। अपनी अपनी टीमों को जिताने एवं उन्हें सेमीफाइनल तक पहुंचाने के लिए खिलाड़ी एंडी चोटो का जोर लगा रहे है। सोमवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए रीवा, जबलपुर, नर्मदापुरम एवं सागर संभाग की टीमों ने सेमीफाइनल में जगह सुनिश्चित कर ली थी। प्रतियोगिता के चौथे दिन कुल 6 मैच खेले गये। बोते सोमवार को खेले गये मैचों के बारे में विस्तृत



जानकारी देते हुए आयोजन समिति के प्रचार प्रसार समिति सदस्य मधुसूदन पटेल ने बताया की सुबह जनपद ग्राउंड चीचली के मैदान पर खेले गये मैच में रीवा संभाग ने ग्वालियर को 8 विकेट से हराया। सुबह टॉस जीतकर ग्वालियर संभाग की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवरों में 8 विकेट खोकर 147

रन बनाये जवाब में रीवा ने 15 ओवरों में ही 2 विकेट खोकर निर्धारित लक्ष्य हासिल कर लिया। रीवा के संस्कार सिंह बागरी को 95 रनो की पारी की बदौलत प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार अतिथियों संदीप पैगवार, नीरज सहपुरिया एवं कृष्ण कुमार सोनी ने प्रदान किया। सोमवार को ही



बोहानी के पीएमश्री शासकीय राघव कृषि उ मा विद्यालय के मैदान पर खेले गये मैच में शहडोल संभाग ने इंदौर को रोमांचक मैच में 2 विकेट से शिकस्त दी। सुबह टास जीतकर इंदौर संभाग की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों के मैच में 9 विकेट खोकर 154 रन बनाये जवाब में शहडोल संभाग की टीम ने 20 वे ओवर में 8

विकेट खोकर 157 रन बनाकर मैच जीत लिया। अंत में शौभिक सोनी को अतिथियों ग्राम सरपंच किरण शर्मा, मनोज शर्मा बोईओ सीमा डोंगरे, प्रतुल इंदुरख्या, बीआरसी संदीप स्थापक, पूर्व प्राचार्य अशोक वर्मा, प्राचार्य अजय शर्मा ने प्लेयर ऑफ द मैच से सम्मानित किया। सुबह नगर गाडरवारा के रूढ़ कॉलेज

मैदान पर खेले गये पहले मैच में जबलपुर संभाग ने नर्मदापुरम को 9 विकेट से करारी शिकस्त दी। मैच में टास जीतकर नर्मदापुरम टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवरों में सभी विकेट खोकर 94 रन बनाये जवाब में जबलपुर संभाग की टीम ने 12 वे ओवर में ही 1 विकेट खोकर 95 रन बनाकर मैच जीत लिया। मैच में अतिथियों के रूप में सेवानिवृत्त शिक्षक एवं शैलेन्द्र जैन उपस्थित रहे एवं प्लेयर ऑफ द मैच आमगांव छोट्टा निवासी हर्ष वर्मा को दिया गया। इसी मैदान पर दोपहर को खेले गये मैच में जबलपुर संभाग ने जनजातीय कार्य विभाग की टीम को 9 विकेट से हराकर शानदार जीत दर्ज की।

सतर्कता जागरूकता ससाह के तहत माय भारत के स्वयंसेवकों ने ली सत्यनिष्ठा की शपथ

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में मेरा युवा भारत (माय भारत), नरसिंहपुर द्वारा 26 अक्टूबर को सतर्कता जागरूकता ससाह के अंतर्गत सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला पंचायत स्थित माय भारत कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में स्वयंसेवकों ने ईमानदारी, पारदर्शिता और भ्रष्टाचार मुक्त समाज के निर्माण का समकल्प लिया। कार्यक्रम में जिला युवा अधिकारी उमंग जैन ने केंद्रीय सतर्कता आयोग के गठन एवं उद्देश्यों की जानकारी देते हुए कहा कि राष्ट्र की प्रगति और समग्र विकास के लिए भ्रष्टाचार का उन्मूलन आवश्यक है। इसके लिए शासन, नागरिकों और युवाओं को मिलकर पारदर्शी व्यवस्था के निर्माण में योगदान देना होगा। उन्होंने इस वर्ष के अभियान की थीम 'सत्यनिष्ठा से समृद्धि' के महत्व पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने युवाओं को केंद्रीय सतर्कता आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर डिजिटल प्रतिज्ञा लेने तथा समाज में ईमानदारी और पारदर्शिता के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए प्रेरित किया।



नरसिंहपुर जिले की उन्नत कृषि विशिष्ट पहचान रखती है : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कृषि उपज मंडी समिति प्रांगण नरसिंहपुर में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वीसी) के माध्यम से संबोधित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बलराम कृषि महोत्सव के आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि नरसिंहपुर जिला खेती-किसानी और उन्नत कृषि पद्धतियों के लिए विशेष पहचान रखता है। यहां की कृषि और किसानों की मेहनत के उदाहरण देशभर में देखने को मिलते हैं। भगवान बलराम के नाम पर आयोजित यह महोत्सव किसानों के सम्मान, कृषि विकास और उनकी समृद्धि के संकल्प को आगे बढ़ाने का महत्वपूर्ण अवसर

है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों की समृद्धि के लिए कृषि के साथ-साथ सिंचाई, जल संसाधनों के बेहतर उपयोग और आधुनिक कृषि तकनीकों को बढ़ावा देना आवश्यक है। सरकार नदी जोड़ी अभियान सहित विभिन्न क्षेत्रों में विकास के प्रयास कर रही है। कृषि क्षेत्र को मजबूत बनाने और किसानों के जीवन में खुशहाली लाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बलराम कृषि महोत्सव को किसानों के बीच कृषि संबंधी जानकारी, आधुनिक तकनीकों और उन्नत खेती के तरीकों को साझा करने का महत्वपूर्ण मंच बताया। उन्होंने किसानों से नई कृषि पद्धतियों को अपनाने तथा खेती को अधिक उन्नत एवं समृद्ध बनाने की दिशा में आगे बढ़ने का आह्वान किया।



मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों, पदाधिकारियों, आयोजकों और किसान भाइयों का अभिवादन करते हुए महोत्सव के सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि नरसिंहपुर जिले से उनका विशेष स्नेह और जुड़ाव रहा है। अपने संबोधन के अंत में मुख्यमंत्री ने भगवान महाकाल और मां नर्मदा से सभी के कल्याण एवं

समृद्धि की कामना की तथा उपस्थित किसान भाइयों को दीपावली पर्व की शुभकामनाएं दीं। अपैक्स बैंक के साथ जैविक खाद, वर्मी कम्पोस्ट कृषि महोत्सव में कहा कि किसान देश का अन्नदाता है और उसकी समृद्धि से ही ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। भगवान बलराम की जयंती को किसान दिवस के रूप में मनाने की पहल किसानों के सम्मान और कृषि



विकास को प्रोत्साहित करने का महत्वपूर्ण प्रयास है। उन्होंने कहा कि किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों के साथ जैविक खाद, वर्मी कम्पोस्ट और संतुलित उर्वरक उपयोग अपनाना चाहिए, ताकि मिट्टी की उर्वरता और प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण हो सके। कृषि के साथ पशुपालन एवं दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देकर किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में भी कार्य करना

आवश्यक है। प्रशासक श्री यादव ने किसान क्रेडिट कार्ड, किसान सम्मान निधि, स्वाभिव योजना तथा ग्रामीण सड़क, परिवहन और शिक्षा सुविधाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि इन प्रयासों से ग्रामीण क्षेत्रों में सुविधाओं का विस्तार हो रहा है। उन्होंने गोपाल कृष्ण पुरस्कार योजना के माध्यम से देशी नस्ल की गायों के पालन और दुग्ध उत्पादन को प्रोत्साहन देने की बात कही। तेंदुखेड़ा के विधायक श्री विश्वनाथ सिंह पटेल ने कहा कि सरकार का उद्देश्य किसानों के कृषि उत्पादन में वृद्धि करना, उनकी आय बढ़ाना तथा खेती-किसानी को अधिक सुविधाजनक बनाना है। उन्होंने किसानों को बैंकिंग सुविधाओं से जोड़ने, कृषि कार्यों के लिए ऋण उपलब्ध कराने तथा किसान क्रेडिट कार्ड

के माध्यम से विभिन्न शासकीय सुविधाओं का लाभ पहुंचाने के प्रयास किए जा रहे हैं। गोटगांव विधायक श्री महेंद्र सिंह नागेश ने कहा कि किसान देश की रीढ़ हैं। उनकी मेहनत से ही खेतों में हरियाली और देश में खुशहाली आती है। किसानों की आय बढ़ाना, खेती को लाभ का व्यवसाय बनाना तथा कृषि को आधुनिक तकनीकों से जोड़ना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि नरसिंहपुर जिले के किसान कृषि के क्षेत्र में विशिष्ट पहचान रखते हैं। पूर्व राज्य मंत्री श्री जालम सिंह पटेल ने कहा कि नरसिंहपुर जिला अपनी उपजाऊ भूमि और कृषि उत्पादन के लिए विशेष पहचान रखता है। यहां के किसानों ने आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाकर कृषि के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया है।



महाकाली विसर्जन यात्रा में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

नैनपुर (स्वतंत्र मत)।

नगर में शारदीय नवरात्र के पश्चात मां आदिशक्ति की आराधना और भक्ति का उल्लास महाकाली विसर्जन के अवसर पर चरम पर नजर आया। जगतजननी मां महाकाली की विदाई के लिए देर रात श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। भक्ति, उत्साह और आस्था के वातावरण में निकली विसर्जन यात्रा नगर के विभिन्न मार्गों से होते हुए सुबह खेरमाई माता मंदिर के पीछे स्थित चकोर नदी के तट पर पहुंची, जहां विधि-विधान के साथ मां महाकाली की प्रतिमा का विसर्जन किया गया। नगर के वार्ड क्रमांक 15 एवं वार्ड क्रमांक 6 में सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समितियों द्वारा मां महाकाली की दिव्य एवं भव्य प्रतिमाएं स्थापित की गई थीं। पंचमी से शरद पूर्णिमा तक दोनों पूजा पंडालों में विधि-विधानपूर्वक पूजा-अर्चना कर जगतजननी की आराधना की गई। इस दौरान प्रतिदिन संध्या के समय आयोजित महाआरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होकर मां के चरणों में अपनी श्रद्धा अर्पित करते रहे। पूरे आयोजन के दौरान नगर में भक्तिमय वातावरण बना रहा।

आकर्षक झांकियों और जयकारों के बीच निकली विसर्जन यात्रा
मां महाकाली की विदाई के अवसर पर श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। रात्रि 12 बजे प्रारंभ हुई विसर्जन यात्रा में समिति के सदस्यों के साथ बड़ी संख्या में नगरवासी एवं देवी भक्त शामिल हुए। यात्रा नगर के विभिन्न इलाकों से होकर गुजरी। आकर्षक झांकियों, डीजे की धुनों और नगाड़ों की गूंज के बीच श्रद्धालु मां महाकाली के जयकारे लगाते हुए आगे बढ़ते रहे। भक्ति और उल्लास से सराबोर इस यात्रा ने नगर के वातावरण को पूरी तरह भक्तिमय बना दिया। मां महाकाली की विसर्जन यात्रा पूरी रात नगर के विभिन्न मार्गों से गुजरती रही। श्रद्धालुओं ने उत्साह और भावपूर्ण वातावरण के बीच जगतजननी को विदाई दी। रात्रि 12 बजे शुरू हुआ यह सिलसिला सुबह 7 बजे तक चला। इसके पश्चात खेरमाई माता मंदिर के पीछे चकोर नदी में विधि-विधान के साथ मां महाकाली की प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। मां महाकाली की विदाई के इस भावुक अवसर पर श्रद्धालुओं की आस्था और भक्ति देखते ही बन रही थी। प्रतिमा विसर्जन के साथ ही आयोजन का समापन हुआ, लेकिन भक्तों के मन में मां के प्रति श्रद्धा, विश्वास और अगले वर्ष पुनः आगमन की कामना बनी रही।

सागौन की 10 बल्लियों से लदी टाटा पिकअप वन विभाग ने पकड़ा

इटका से मक्के ले जाई जा रही थी सागौन की लकड़ी

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। वन संपदा के संरक्षण और अवैध परिवहन पर अंकुश लगाने की दिशा में वन विभाग ने कार्रवाई करते हुए सागौन की 10 बल्लियों से लदी एक टाटा पिकअप को पकड़ा है। जानकारी अनुसार बलिया इटका से मक्के ले जाई जा रही थी। जिससे पेट्रोल पंप के समीप पकड़ा गया। मामले में वन विभाग ने वन अपराध प्रकरण (पीओआर) दर्ज कर कार्रवाई किया है। प्रजा जानकारी के अनुसार टाटा पिकअप वाहन क्रमांक एमपी जेडवी जेडजी-1150 में सागौन की 10 बल्लियां भरकर इटका से मक्के में सतीथ पिता श्रीप्रकाश के घर ले जाई जा रही थी। इसी दौरान वन विभाग ने

क्या मंडला नगर पालिका में भी खरीदी पर हुआ खेला? बिना सामग्री मिले भुगतान और फर्जी सत्यापन की जमकर चर्चा



खर्च का आंकलन किया जाता है खरीदी में सिर्फ सामान देखा जाता है या जनता के पैसे से जुड़ा पूरा खर्च भी मध्यप्रदेश के नगरीय प्रशासन विभाग के अपर मुख्य सचिव संजय दुबे के कथित महंगी खरीदी संबंधी बयान और मीडिया रिपोर्टों के बाद नगरीय निकायों की खरीद प्रक्रिया पर सवाल उठ रहे हैं। सरकारी खरीदी में ऐसा कौन-सा गणित चलता है कि एक ही सामग्री की कीमतों में बड़ा अंतर नजर आता है जब सामान स्थानीय बाजार में उपलब्ध है तो बाहर से खरीदी कर परिवहन सहित अतिरिक्त खर्च जोड़ने की जरूरत क्यों पड़ती है क्या खरीदी से पहले स्थानीय दरों गुणवत्ता और कुल

लागत की निष्पक्ष तुलना होती है ग्राम पंचायतों से लेकर नगर पंचायत नगर पालिका और जिले के तमाम सरकारी विभागों तक खरीदी के हर फैसले का आधार सार्वजनिक क्यों नहीं होना चाहिए आखिर जनता के पैसे से होने वाली खरीदी में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी किसकी है और इन सवालों का जवाब कौन देगा मीडिया में सामने आए उदाहरणों में कचरा गाड़ियों एलईडी लाइट और फिनाइल की कीमतों को लेकर गंभीर विसंगतियों का दावा किया गया है इन मामलों की वास्तविक स्थिति संबंधित दस्तावेजों और जांच से ही स्पष्ट होगी।

विधिक सहायता अधिकारों की दी जानकारी

मण्डला/मवई (स्वतंत्रमत)।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा विकासखंड मवई की ग्राम पंचायत बादरवाड़ी एवं ग्राम पंचायत भीमोरी में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किए गए। शिविर का उद्देश्य ग्रामीणों को उनके कानूनी अधिकारों एवं निःशुल्क विधिक सहायता के प्रति जागरूक करना था।

कार्यक्रम में जिला विधिक सहायता अधिकारी विजय कुमार खोन्नाड़े एवं पैरा लीगल वॉलंटियर श्रीमती शिखा श्रीवास्तव ने ग्रामीणों को निःशुल्क विधिक सहायता मौलिक अधिकारों दहेज प्रतिषेध अधिनियम महिला एवं बाल संरक्षण श्रमिकों के अधिकार तथा नवीन आपराधिक कानूनों की जानकारी दी। साथ ही पीडित प्रतिकर योजना एवं गिरफ्तारी के समय व्यक्ति को



प्राप्त कानूनी अधिकारों के बारे में भी विस्तार से बताया गया। ग्रामीणों को बाल विवाह रोकथाम महिलाओं एवं बच्चों के संरक्षण तथा सामाजिक कुटीरियों को समाप्त करने के प्रति भी जागरूक किया गया। पैरा लीगल वॉलंटियर शिखा

श्रीवास्तव ने शिविर में विभिन्न महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी भी दी गई। इनमें साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930 टेली-मानस मानसिक स्वास्थ्य हेल्पलाइन 14416, महिला हेल्पलाइन 181 वरिष्ठ नागरिक हेल्पलाइन 14567

औषधियों से बनाई खीर का हुआ वितरण



की रात में चंद्रमा की किरणों में औषधीय गुण होते हैं। इस दिन चंदनी में रखी गई खीर का सेवन स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभदायक होता है। चंद्रमा की किरणों में रखी इस खीर का सेवन पर लोगों को स्वास्थ्य लाभ प्रदान करता है। स्वामी शारदनंद महाराज ने बताया कि शरद पूर्णिमा

मण्डला/मवई (स्वतंत्रमत)।

आदिवासी बाहुल्य मवई क्षेत्र के रहगी गांव में ट्रांसफार्मर बदलने के दौरान कट्टे की चपेट में आने से विद्युत विभाग के हेलपर डैनी धुर्वे की मौके पर ही मौत हो गई मृतक रामतिला गांव का निवासी था हादसे के बाद परिजनों ने विद्युत विभाग पर गंभीर लापरवाही के आरोप लगाते हुए सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं जानकारी के अनुसार मवई में विद्युत हादसे में जान गंवाने वाले आउटसोर्स विद्युत कर्मचारी डैनी सिंह धुर्वे को न्याय दिलाने के लिए ग्रामीण लामबंद हो गए हैं।

हादसे की निष्पक्ष जांच हो जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्यवाही की जाए तथा पीड़ित



परिवार को उचित मुआवजा और रोजगार मिले धरना स्थल पर पहुंचे विद्युत विभाग बिछिया के कार्यपालन अभियंता मयंक चौरसिया ने लाइनमैन के निर्लंबन की जानकारी दी साथ ही मवई के जूनियर इंजीनियर के विरुद्ध

शरदोत्सव की संगीत निशा में देर रात तक झूमे नैनपुरवासी सारेगामपा विजेता इशिता विश्वकर्मा और कोलकाता के अमन परवाना ने सुरों से बांधा समां

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। शरदोत्सव के अवसर पर नगर के रेलवे म्यूजियम में युवम संस्था द्वारा भव्य शरदोत्सव संगीत निशा का आयोजन किया गया। सुरों और संगीत से सजी इस यादगार शाम में सारेगामापा विजेता एवं प्लेबैक सिंगर इशिता विश्वकर्मा तथा कोलकाता के लोकप्रिय गायक अमन परवाना ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों से समां पकड़ दिया। दोनों कलाकारों की सुरीली आवाज का जादू ऐसा चला कि नगरवासी देर रात तक गीत-संगीत की स्वर लहरियों में डूबे रहे। संगीत निशा में बड़ी संख्या में दर्शक और श्रोता शामिल हुए। कलाकारों ने भक्ति गीतों, एकल गायन और बॉलीवुड के लोकप्रिय गीतों की प्रस्तुतियों से श्रोताओं का मन मोह लिया। मधुर सुरों और मनमोहक प्रस्तुतियों के बीच श्रोता कभी भक्ति भाव में सराबोर नजर आए, तो कभी लोकप्रिय फिल्मी गीतों की धुन पर झूमते दिखाई दिए। पूरे आयोजन स्थल पर उत्साह, उमंग और संगीत का अनूठ वातावरण बना रहा। युवम संस्था की इस पहल ने नैनपुर की सांस्कृतिक जीवंतता को एक नया आयाम दिया। आयोजन में भक्ति, संगीत और संस्कृति का ऐसा सुंदर संगम देखने को मिला, जिसने उपस्थित जनसमूह को देर रात तक बांधे रखा। इशिता विश्वकर्मा और अमन परवाना की प्रस्तुतियों ने संगीत प्रेमियों को यादगार पल दिए। सुरों से सजी इस शाम ने एक बार फिर साबित किया कि संगीत लोगों को जोड़ने और सांस्कृतिक परंपराओं को जीवंत बनाए रखने का सशक्त माध्यम है।शरदोत्सव की यह संगीत निशा न केवल मनोरंजन का अवसर बनी, बल्कि नैनपुर की सांस्कृतिक पहचान और संगीत के प्रति नगरवासियों के उत्साह को भी अभिव्यक्त कर गई।

मिल रहा स्वामित्व का अधिकार

मण्डला(स्वतंत्रमत)।

ग्रामीणों को उनकी आबादी भूमि का स्वामित्व अधिकार दिलाने के उद्देश्य से संचालित स्वामित्व योजना के तहत जिले में लगातार कार्य किया जा रहा है। स्वामित्व योजना के अंतर्गत मंडला जिले की 6 तहसीलों के 1 हजार 35 ग्रामों में कार्य किया जा रहा है। 26 अक्टूबर तक जिले में कुल 66 हजार 971 भूखंडों का विवरण दर्ज किया गया है इनमें से 14 हजार 800 हिताग्रहियों की रजिस्ट्री पूर्ण हो चुकी है। तहसीलवार स्थिति के अनुसार बिछिया में 3 हजार 195, नैनपुर में 2 हजार 743, मंडला में 2 हजार 664, नारायणगंज में 2 हजार 339, घुघरी में 1 हजार 967 तथा निवास तहसील में 1 हजार 892 हिताग्रहियों की रजिस्ट्री पूर्ण हो चुकी है। इस प्रकार जिले की सभी छह तहसीलों में योजना के तहत ग्रामीणों को स्वामित्व संबंधी दस्तावेज उपलब्ध कराने का कार्य जारी है।

क्षेत्रीय कार्यालय, मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, जबलपुर
लोक सुनवाई की आम सूचना
भारत सरकार पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय नई दिल्ली की पर्यावरण प्रभाव आँकलन अधिसूचना क्रमांक एस.ओ. 1533 दिनांक 14.9.2006 तथा संशोधित प्रकाशनों के अन्तर्गत सर्व संबंधितों को सूचित किया जाता है कि Ms NARMADA VALLEY DEVELOPMENT DEPARTMENT BASANIA MULTIPURPOSE PROJECT (CCA: 8,780 ha and 100 MW), Gross Storage Capacity: 1786 MCM, Area: 7283.95 Hac, Kharsa No.8, 13, 14, 3 at Village Bilgarha Ryt., Tehsil - Ghughri, District- Mandla (M.P.) हेतु पर्यावरण स्वीकृति के लिये भारत सरकार पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय नई दिल्ली द्वारा पर्यावरणीय स्वीकृति प्राप्त करने के अनुक्रम में लोक सुनवाई कराने हेतु परियोजना प्रस्तावक द्वारा म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड भोपाल में आवेदन प्रस्तुत किया गया है।
उक्त परियोजना से संबंधित ई.आई.ए. रिपोर्ट एवं परियोजना का कार्यकारी सारांश हिन्दी व अंग्रेजी में साफ्ट कापी सहित, का अवलोकन (1) कार्यालय कलेक्टर मण्डला (2) कार्यालय जिला पंचायत, मण्डला, (3) कार्यालय जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र मण्डला, (4) ग्राम पंचायत, नैझर (नैझर माल, ण्डहरीतलाई), ग्राम पंचायत, मुकासखुर्द (मुरलापानी), ग्राम पंचायत, बबलिया (दरगढ़) ग्राम पंचायत, हीन्नाछापर (बसगढ़ी माल) ग्राम पंचायत, सिवनी माल (बलिया माल), ग्राम पंचायत, चकदेही रैसत (चकदेही रैसत) ग्राम पंचायत, काफा माल (काफा माल), ग्राम पंचायत, फड़की माल (फड़की माल) तहसील –निवास, जिला मण्डला (5) ग्राम पंचायत, धनगौव (रम्पुरी, धनगौव, दुपटा) ग्राम पंचायत, बड़झर (ओझरी, बड़झर, ऊमरडीह उर्फ पड़ावर) ग्राम पंचायत, चुमोवल (चुमवाल, धनपानी) ग्राम पंचायत, बिलगढ़ा माल (बिलगढ़ा रैसत) तहसील-घुघरी जिला मण्डला (6) अतिरिक्त प्रधान मुख्य संरक्षक, केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, केन्द्रीय पर्यावरण भवन लिंक रोड क्रमांक 3 राजयोग भवन के पास ई-5 असेरा कालोनी भोपाल (7) मुख्यालय म.प्र.प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, ई-5 असेरा कालोनी भोपाल एवं (8) क्षेत्रीय कार्यालय म.प्र.प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड प्लाट नं 455/ 456 विजयनगर, जबलपुर में कार्यालयीन समय में किया जा सकता है तथा इसे बोर्ड की वेबसाइट www.mppcb.mia.in पर भी देखा जा सकता है।
अतः जिस किसी व्यक्ति को उक्त परियोजना के पर्यावरणीय विषय के संबंध में कोई सुझाव, विचार, टीका टिप्पणी एवं आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वह इस सूचना के जारी होने के दिनांक से 30 दिवस के अन्तर क्षेत्रीय अधिकारी म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड विजय नगर जबलपुर (म.प्र.) के कार्यालय में मौखिक अथवा लिखित रूप से कार्यालयीन समय मे प्रस्तुत की जा सकती है। उक्त परियोजना के लिए लोक सुनवाई दिनांक 02.12.2026 रैसत-बुधवार को प्रातः 10.00 बजे से परियोजना के अन्तर्गत आने वाले ग्राम बिलगढ़ा रैसत, तहसील घुघरी, जिला मण्डला (म.प्र.) में आयोजित की जायेगी, जिसमें भी सुझाव, विचार, टीका /टिप्पणी एवं आपत्ति दर्ज कवाई जा सकती है।
क्षेत्रीय अधिकारी, जबलपुर

संपादकीय

शुद्धिकरण का घोटाला

चुनाव आयोग की एक और करतूत सामने आई है। इसे मतदाता सूची शुद्धिकरण के नाम पर ‘बड़ा घोटाला’ करार दिया जा सकता है। विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया में मतदाताओं के नाम ही बदल दिए गए। अथवा उनके पिता का नाम ही बदल दिया गया। यह करतूत मतदाता सूची के अंतिम संस्करण के प्रकाशन के बाद सामने आई है। ऐसे कई और मामले भी हो सकते हैं कि आम मतदाता आश्चस्त होगा कि अंततः वह मतदाता बन गया है, सूची में उसका नाम दर्ज हो गया है, लेकिन जब चुनाव होंगे और वह मतदान करने जाएगा, तो सूची में कोई और नाम होगा! वह अपना सिर पीट लेगा। चुनाव अधिकारी से बहस भी करेगा और अपना मतदाता पहचान-पत्र भी दिखाएगा, लेकिन चुनाव अधिकारी के लिए तो मतदाता सूची ही मान्य और वैध दस्तावेज है।

देश का मतदाता असहाय है। यह चुनाव आयोग आखिर कर क्या रहा है? उसके मंसूबे क्या हैं? क्या वाकई वह लोकतंत्र को कुतर रहा है? कांग्रेस ने लखनऊ में एक प्रेस कॉन्फेंस कर कुछ बेहद गंभीर और संवेदनशील खुलासे किए हैं। उन की पीलीभीत सदर विधानसभा सीट का ही उदाहरण लें, तो कोई भी चोंक सकता है। इस क्षेत्र में 13,150 मतदाताओं के नाम बदल दिए गए हैं, हालांकि मतदाता पहचान-पत्र के ‘एपिक’ और सीरियल नंबर यथावत हैं। इस क्षेत्र की मतदाता सूची से 804 नाम गायब कर दिए गए हैं, जबकि वे लोग अब भी वहीं रहते हैं। करीब 2600 ऐसे नाम सूची में जोड़े गए हैं, जो उस क्षेत्र के निवासी ही नहीं हैं।

बताया गया है कि एक ही विधानसभा क्षेत्र में 16,554 मतदाताओं के नाम को लेकर गड़बड़झाला किया गया है। इस संदर्भ में कांग्रेस ने एकआईआर दर्ज करा दी है। बेशक यह अवैध और आपराधिक करतूत है, जो मानवीय गलती के कारण हुई या चुनाव आयोग के सॉफ्टवेयर के साथ छेड़छाड़ की गई! जांच-पड़ताल में यह तथ्य भी सामने आया है कि 2022 के विधानसभा चुनाव में 124 सीटों पर करीब 10,000 मतों से ही जीत-हार हुई थी। जीतने वाले अधिकतर भाजपा उम्मीदवार थे। यदि यह घोटाला न किया जाता, तो चुनाव नतीजे कुछ और ही होते। एक और खोज खबर सामने आई है कि चुनाव आयोग का ईसीआईनेट पोर्टल मुख्यालय से ही ‘ऑन-ऑफ’ किया जाता है। सभी मतदाता पंजीकरण अधिकारी उसे नहीं देख सकते। जो सॉफ्टवेयर के जरिए पोर्टल में देख सकते हैं, उन्हीं के लिए वह सिस्टम ‘ऑन’ किया जाता है। क्या इस सिस्टम का भी ‘केंद्रीकरण’ कर दिया गया है और मतदाताओं के नाम मुख्यालय से ही जोड़े-काटे जाते हैं? हालांकि यह कोई स्थानमा या आरोप नहीं, बल्कि हमारा सवाल है।

यदि चुनाव आयोग अपनी लंबी चुप्पी तोड़े, तो देश के सामने इस सवाल का स्पष्टीकरण भी दे सकता है। यकीनन यह लोकतंत्र-विरोधी, मतदाता-विरोधी साजिश है, जिसके जरिए हररोज नए खुलासे सामने आ रहे हैं। उग्र में मार्च-अप्रैल, 2027 में चुनाव होने हैं। यदि विपक्ष के 11 नेता, एसआईआर और सीईसी के खिलाफ, सर्वोच्च अदालत में साझा याचिका दाखिल कर सकते हैं, तो 11 नेता इकट्ठे होकर चुनाव आयोग के मुख्यालय भी जा सकते हैं और सीईसी ज्ञानेश कुमार गुप्ता को स्पष्टीकरण के लिए बाध्य कर सकते हैं। आश्चर्य है कि दोनों चुनाव आयुक्त भी इन तमाम संदर्भों में खामोश हैं। चुनाव आयोग ने उस खोज-खबर का आज तक खंडन नहीं किया और न ही अखबार के खिलाफ मानहानि का केस दायर किया। यानी वे खुलासे सच थे ना! उग्र में ही 2.04 करोड़ मतदाताओं के नाम काट दिए गए हैं। बंगाल में 27.16 लाख मतदाताओं को उनके मताधिकार से वंचित कर दिया गया था, यही सामने आया है।

फसल संरक्षण व सेहत सुरक्षा हो प्रथमिकता

ज्ञानेन्द्र रावत

अलनीनो भयावह खतरे का सबब बनता जा रहा है। दुनिया के खोसम विज्ञानियों ने अलनीनो के मौसमका स्तर को ‘सुपर-डुपर अलनीनो’ नाम दिया है। शिकागो विश्वविद्यालय के एनर्जी पॉलिसी इंस्टीट्यूट की हालिया रिपोर्ट के मुताबिक, सामान्य वर्षों की तुलना में सुपर-डुपर अलनीनो के कारण अगले छह महीनों में दुनिया भर में करीब 4.51 लाख अतिरिक्त मौतें हो सकती हैं।

अलनीनो पहले से गर्म होती जलवायु पर अपना असर दिखा रहा है, जिससे आने वाले महीनों में तापमान के रिकॉर्ड टूटने की संभावना बढ़ रही है। इस बार फरवरी में ही गर्मी दस्तक दे सकती है। सुपर अलनीनो के प्रभाव से आने वाले महीनों में वैश्विक स्तर पर सतह का तापमान 1.2 डिग्री सेल्सियस तक अधिक रह सकता है। अनुमान है कि अगले 20 वर्षों तक तापमान का यही रुझान देखने को मिल सकता है। विश्व मौसम संगठन की हालिया

चेतावनी के मुताबिक, अलनीनो फरवरी 2027 तक बना रह सकता है। ऐसी स्थिति में इसका असर भारत में अगले मानसून की शुरुआत तक रहने की संभावना है। चिंता की बात यह है कि यह सर्दियों की बारिश और तापमान की भी प्रभावित कर सकता है। यही नहीं, दुनिया के कई हिस्सों में भी बारिश और बारिश के पैटर्न पर भी इसका असर पड़ सकता है। नतीजतन, कहीं सूखे की स्थिति बन सकती है, तो कहीं सामान्य से अधिक बारिश और बाढ़ का खतरा बढ़ सकता है। दरअसल, विश्व मौसम संगठन के पूर्वानुमान के मुताबिक, नवंबर महीने में तापमान के चरम पर पहुंचने की संभावना जताई गई थी। लेकिन अब प्रशांत महासागर में भूमध्य रेखा के पास समुद्र का तापमान सामान्य से तीन गुना अधिक है और इसमें तेजी से बढ़ोतरी की आशंका है। समुद्र की गहराई में आठ कि हिस्सों में पानी सामान्य से आठ डिग्री तक अधिक गर्म पाया गया है, जिससे अलनीनो को और ताकत मिली है। वैज्ञानिकों का मानना है कि दुनिया

के सभी भूभागों में इस साल नवंबर तक सामान्य से अधिक तापमान रहेगा। प्रशांत महासागर का पानी गर्म होने पर भारत की ओर आने वाली हवाओं के दबाव और उनकी दिशा में बदलाव आता है। इससे बादलों की आवाजाही और बारिश का रास्ता भी बदल सकता है। यही अहम कारण है कि प्रशांत महासागर में होने वाला बदलाव भारत जैसे हजारों किलोमीटर दूर स्थित देशों के मौसम को भी प्रभावित करता है।

मौसम विज्ञानियों के मुताबिक, अलनीनो का असर केवल मानसून तक सीमित नहीं रहेगा। इसके मजबूत बने रहने पर सर्दियों में भी तापमान सामान्य से अधिक रहने की आशंका है। उत्तर भारत में सर्दियों के छोटा होने और फरवरी-मार्च में गर्मी बढ़ने का रुझान पहले से ही देखा जा रहा है। यही नहीं, पश्चिमी विश्वोष्ण, हिमालय के बर्फबारी और हिंद महासागर की स्थिति की भूमिका भी इसमें काफी महत्वपूर्ण होगी। वर्ष 2023-24 के मजबूत अलनीनो ने 2024 को दुनिया का

सबसे गर्म साल बनाने में प्रमुख भूमिका निभाई थी। ठीक उसी तरह, इस साल भी तापमान का नया रिकॉर्ड बनने का खतरा बना हुआ है। संभावना है कि दिसंबर महीने में तापमान उच्च स्तर की पहुंच जाएगा। इससे पहले अलनीनो की स्थिति और तीव्र होगी, जो चार डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकती है। गौरतलब है कि यह अब तक की सर्वाधिक तापमान वृद्धि होगी। इससे स्पष्ट है कि अलनीनो का दायरा लगातार बढ़ रहा है। इससे पहले 2015 में अधिकतम 2.6 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी का रिकॉर्ड दर्ज किया गया था। मौसम विज्ञानी रयान माउस का कहना है कि अलनीनो सर्दियों में अपनी अधिकतम शक्ति पर बना रहेगा और अमेरिका को छोड़कर हर जगह वैश्विक तापमान में बढ़ोतरी होगी। प्रभावित क्षेत्रों में तापमान सामान्य से 3.4 डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज किया गया है, जो इतिहास में दर्ज किसी भी पिछले अलनीनो से अधिक है। यह 1950 के बाद से दर्ज की गई सबसे शक्तिशाली मौसमी घटनाओं

में से एक हो सकती है। दरअसल, अलनीनो की स्थिति में मानसून कमजोर और अनियमित रहता है। साथ ही, अधिक गर्मी पड़ने से मिट्टी में नमी कम हो जाती है, जिससे खरीफ की फसलों की पैदावार घटने की आशंका रहती है। खरीफ का सीजन सीधे तौर पर देश की खाद्य सुरक्षा से जुड़ा हुआ है। धान, मक्का, दालें और तिलहन जैसी प्रमुख फसलें इसी मौसम में खेई जाती हैं। ऐसे में अलनीनो का खरीफ केवल मौसम का मुद्दा नहीं है, बल्कि उद्योग, खाद्य कीमतों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था से भी जुड़ा हुआ है। इस स्थिति में सबसे बड़ा चिंता उन क्षेत्रों को लेकर है, जहां खेती अब भी बारिश पर निर्भर है। भारत अलनीनो के कारण सर्वाधिक जोखिम वाले देशों में शामिल है। क्लाइमेट ट्रेड्स के मुताबिक, उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में अलनीनो और जलवायु परिवर्तन का संयुक्त प्रभाव खेती से जुड़े जोखिम बढ़ा रहा है। वर्ष 2050 तक इन दोनों के मिले-जुले प्रभाव से वैश्विक फसल पैदावार आधार स्थिति की तुलना में 10 से

25 प्रतिशत तक घट सकती है।

इस संबंध में एम्स के एक संकाय सदस्य और सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ का कहना है कि हर परिस्थिति और हर स्तर पर हीट एक्शन प्लान लागू करने जैसी रणनीतियों पर तत्काल काम करने की जरूरत है। उनके अनुसार, बुजुर्गों, पहले से बीमार लोगों, बच्चों, गर्भवती महिलाओं और खुले में काम करने वाले श्रमिकों जैसे कमजोर वर्गों को प्राथमिकता देना जरूरी है। चूंक जलवायु परिवर्तन का प्रभाव लगातार बढ़ता जा रहा है, इसलिए ऐसे हालात से निपटने के लिए मौसमी पूर्वानुमानों के आधार पर बुआई से पहले फसलों में बदलाव किए जाने चाहिए। राज्यों में सूखा घोषित करने की प्रक्रिया सरल बनाई जानी चाहिए। कृषि योजनाओं में बहुवर्षीय जलवायु जोखिम मॉडल को शामिल किया जाना चाहिए। साथ ही, दीर्घकालिक विकास की क्षमता बनाए रखने के लिए अर्थव्यवस्था के ढांचे को मजबूत करने के प्रयास किए जाने चाहिए।

देश से शोहरत और दौलत पाकर विदेशों में बसती भारतीय सेलिब्रिटीज

उसकी सफलता में अपना सपना देखने लगते हैं। उसकी जीत पर जश्न मनाते हैं, उसकी असफलता पर दुखी होते हैं और उसकी कोई झलक पाने के लिए घंटों प्रतीक्षा करते हैं। यही भारतीय जनता का प्रेम है, यही उसकी दीवानगी है और यही वह ताकत है, जो किसी खिलाड़ी, अभिनेता या कलाकार को सामान्य व्यक्ति से लोकप्रिय हस्ती बना देती है। लेकिन सवाल यह है कि जिस देश की जनता

ने किसी व्यक्ति को पहचान, प्रतिष्ठा, दौलत और शोहरत के शिखर तक पहुंचाया, क्या उस देश के प्रति उसकी कोई नैतिक जिम्मेदारी नहीं बनती? जिस देश ने सिर आँखों पर बिठाया, क्या उस देश के प्रति भी कोई जिम्मेदारी नहीं? बेशक, दुनिया के हर नागरिक को अपना देश सबसे प्यारा लगता है और लगना भी चाहिए। दुनिया में अनेक ऐसी महान हस्तियां हुई हैं, जिन्होंने

अपने वतन में प्रसिद्धि और प्रतिष्ठा प्राप्त करने के बाद भी अपनी मातृभूमि से नाता नहीं तोड़ा। लेकिन पिछले दो-तीन दशकों में विशेषकर भारतीय सेलिब्रिटीज के बीच अपने देश से ख्याति और अपार धन दौलत अर्जित करने के बाद विदेशों में बसने का चलन बढ़ता दिखाई दे रहा है।

सवाल यह है कि जिस देश की जनता किसी व्यक्ति को सिर आँखों पर बैठाकर उसे प्रसिद्धि के शिखर तक पहुंचाती है, क्या उस देश के प्रति उसकी कोई जिम्मेदारी नहीं बनती? जब किसी चर्चित हस्ती की सफलता का बड़ा आधार भारतीय जनता का प्रेम, देश का बाजार और यहाँ मिले अवसर हैं, तब यह प्रश्न पूछना अनुचित नहीं कि उसकी सफलता में योगदान देने वाले समाज के प्रति उसकी जिम्मेदारी क्या है? लोकप्रियता की सीढ़ियाँ भारत में, आशियाना विदेशों में क्यों ? भारतीय जनता का प्यार केवल कमाई का साधन है या एक विश्वास भी? भारत में क्रिकेट और फुटबॉल दुनिया पर धन

की जिस तरह बरसात होती है, वह किसी से छिपी नहीं है। भारतीय क्रिकेट प्रेमियों ने खिलाड़ियों को करोड़ों रुपये के अनुबंध, विज्ञापन, लोकप्रियता और अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने में बड़ी भूमिका निभाई है। इसी तरह भारतीय दर्शकों ने फिल्मी कलाकारों को अपार सफलता दी है। दर्शकों की टिकटों पर खर्च की गई रकम, दर्शकों की संख्या, प्रशंसकों का समर्थन और देश के विशाल मनोरंजन बाजार ने अनेक हस्तियों के करियर को नई ऊँचाइयों दी हैं।

ऐसे में यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि लोकप्रिय हस्तियाँ केवल अपनी कमाई और व्यक्तिगत सुविधाओं तक सीमित न रहें, बल्कि समाज के प्रति अपने दायित्वों को भी समझें। वे शिक्षा, खेल सुविधाओं, ग्रामीण प्रतिभाओं, गरीब बच्चों, महिला शक्तिकरण और सामाजिक विकास के लिए योगदान दें। अपनी लोकप्रियता का उपयोग देश की सकारात्मक छवि और नई पीढ़ी के निर्माण में करें। गांव देवत

या छोटे कस्बों में रहने वाला कोई लड़का या लड़की जब क्रिकेट अथवा फिल्मों में अपना भाग्य आजमाने निकलता है, तो भारतीय जनमानस ही उसकी प्रतिभा को पहचान कर उसे लोकप्रियता के शिखर तक पहुँचाने में अहम भूमिका निभाता है।

अपने चहेते खिलाड़ी या अभिनेता अभिनेत्री की एक झलक पाने के लिए प्रशंसक घंटों धूप खाँव, भूख प्यास और तमाम परेशानियों की परवाह किए बिना खड़े रहते हैं। यह दीवानगी केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें अपने आदर्शों के प्रति लोगों का भावनात्मक जुड़ाव भी शामिल है। किसी सेलिब्रिटी की लोकप्रियता केवल उसकी निजी शक्ति से नहीं होती। लाखों युवा उसे अपना आदर्श मानते हैं, उसकी जीवनशैली से प्रभावित होते हैं और उसकी सफलता को अपने भविष्य का सपना बनाते हैं। ऐसे में चर्चित हस्तियों के व्यवहार का सामाजिक प्रभाव सामान्य व्यक्ति की तुलना में कहीं अधिक होता है।

लेकिन विडंबना देखिए कि जिस देश की जनता किसी खिलाड़ी या फिल्मी हस्ती को अपना सम्मान, दौलत और शोहरत देती है, उसी देश की कुछ चर्चित हस्तियाँ बाद में विदेशों में स्थायी रूप से बसने का विकल्प चुन लेती हैं। फिल्मी दुनिया की अनेक अभिनेत्रियों ने विदेशों में विवाह करने के बाद वहाँ अपना घर बसाया है।

कुछ प्रसिद्ध खिलाड़ियों और अन्य हस्तियों ने भी विदेशों में निवास करने या विदेशी नागरिकता अपनाने का रास्ता चुना है। हालाँकि विदेश में रहने वाले प्रत्येक भारतीय को देश विरोधी ठहराना उचित नहीं है और न ही विदेश में बसना अपने आप में किसी अपराध की श्रेणी में आता है। फिर भी, जब कोई सेलिब्रिटी भारत में मिली लोकप्रियता और आर्थिक सफलता के बल पर अपना साम्राज्य खड़ा करने के बाद देश से स्थायी दूरी बना लेता है, तो उसके प्रशंसकों के मन में सवाल उठना स्वाभाविक है। क्या भारत से

नाम, सम्मान और धन अर्जित करने वाली हस्तियों की अपने देश के प्रति कोई नैतिक जिम्मेदारी नहीं होनी चाहिए? क्या जिस जनता ने उन्हें प्रसिद्धि के शिखर तक पहुँचाया, उसके प्रति उनका कोई दायित्व नहीं बनता? यह प्रश्न किसी की निजी स्वतंत्रता पर प्रतिबंध लगाने का नहीं, बल्कि देश के प्रति कृतज्ञता, सामाजिक उत्तरदायित्व और राष्ट्रीय जुड़ाव की भावना को समझने का है। किसी भी व्यक्ति को अपने जीवन, निवास और भविष्य के संबंध में निर्णय लेने का अधिकार है, लेकिन देश से मिली पहचान और सम्मान के प्रति आभार व्यक्त करना भी एक महत्वपूर्ण मानवीय मूल्य है। देश की मिट्टी में जन्म लेकर, यहाँ की परिस्थितियों में पले-बढ़े और भारतीय जनता के बीच अपनी पहचान बनाने वाले खिलाड़ी, अभिनेता और अभिनेत्रियाँ करोड़ों युवाओं के आदर्श बन जाते हैं। ऐसे में उनकी जीवनशैली और निर्णयों का समाज पर प्रभाव पड़ना स्वाभाविक है।

जब युवा अपने आदर्शों को विदेशों में बसते देखते हैं, तो उनमें से कुछ के मन में भी देश छोड़कर विदेशों में आरामदायक जीवन बिताने की इच्छा प्रबल हो सकती है।

हालाँकि युवाओं के विदेश जाने के पीछे रोजगार, शिक्षा, बेहतर अवसर और जीवनशैली जैसे अनेक कारण होते हैं; इसलिए इस प्रवृत्ति का पूरा दोष सेलिब्रिटीज पर डालना उचित नहीं होगा। फिर भी, लोकप्रिय हस्तियों के सामाजिक प्रभाव और उनकी जिम्मेदारियों पर गंभीर चर्चा आवश्यक है। भारतीय सेलिब्रिटीज का विदेशों में बसना केवल भावनात्मक बहस का विषय नहीं होना चाहिए। यह भी देखना जरूरी है कि देश में प्रतिभाओं के विकास, रोजगार, खेल सुविधाओं, फिल्म निर्माण, अनुसंधान और उद्यमिता के लिए कितने बेहतर अवसर उपलब्ध हैं। यदि भारत में विश्व स्तरीय सुविधाएँ, सुरक्षित वातावरण, पारदर्शी व्यवस्था और प्यारी अवसर सुनिश्चित किए जाएँ, तो प्रतिभाशाली लोगों को अपने देश में ही काम करने और आगे बढ़ने के लिए अधिक प्रोत्साहन मिलेगा।

तो की, लेकिन सुधार सीमित ही रहा। कमजोर नियमन मुख्य समस्या है। भारत में डॉक्टरों के लिए नैतिकता संहिता और दवा उत्पादन की मार्केटिंग का नियंत्रण करने वाले नियम हैं। रेफरल कमीशन, गलत प्रोत्साहन और व्यापारिक प्रभावों के नाना तरीकों पर रोक है। फिर भी, क्रियान्वयन एक समान नहीं और अक्सर कार्रवाई शिकायतों या घोटालों के बाद होती है, न कि व्यवस्थित निगरानी के जरिए। जब क्रियान्वन ही अनिश्चित हो, तो नैतिक संहिता का कोई खास मतलब नहीं। फिर भी, भारत में हम दिखावे पर ज्यादा ध्यान देते हैं। 2022 में, राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग ने मेडिकल पढ़ाई शुरू करने वाले छात्रों के लिए एक ‘चरक शपथ’ की सिफारिश की। मकसद इसे नए चिकित्सकों को ऐतिहासिक रूप से दिलाई जाने वाली

मारीजों के हित में हो। पेशेवर ‘हिप्पोक्रेटिक शपथ’ की जगह लेना था। हालांकि, दोनों सेवा व मरीज की भलाई को चिकित्सा पेशे के केंद्र में रखती हैं। पर शपथ तब दिखावा बनकर रह जाती है जब युवा डॉक्टर ऐसी जगह ट्रेनिंग लेते ही जहां व्यापारिक ध्येय, हितों का टकराव और गैर-जरूरी दखल का सामान्यीकरण हो चुका है। शपथ से ज्यादा अहम है कि क्या संस्थान चिकित्सक को सिद्धांतों के अनुसार इलाज करने देते हैं। अन्य घटनाओं ने भी इन दबावों को बढ़ाया। देश में विशेषज्ञता वाली चिकित्सा शिक्षा तेजी से बढ़ने के मद्देनजर भारत खुद को मेडिकल टूरिज्म के मुकाम के तौर पर रख रहा है। दोनों के फायदे हैं, लेकिन इनसे अस्पताल नेटवर्क को आर्थिक दबाव जल्दा मजबूत हो सकती है। विशेषज्ञता वाले डॉक्टर आधारभूत ढांचा, रोग पहचान तंत्र, मरीज प्रवाह और अपनी व्यावसायिक पहचान के लिए संस्थानों पर निर्भर हो रहे हैं,

जिससे क्लिनिक आधारित इलाज से कमाई की ताकत घट रही है।

मकसद पुराने दौर को बहिया बताकर पेश करना नहीं। स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में सदा ही धन, पदानुक्रम और हितों का टकराव बना रहा है। न ही कॉर्पोरेट अस्पताल और न ही दवा उत्पादक कंपनियां अपने आप में अनैतिक होती हैं। चिंता यह है कि स्वास्थ्य सेवा का मतलब अब ज्यादातर दवाएं, टेस्ट, सप्लीमेंट्स, प्रोसीजर और ज्यादा खर्च बन गया है। डॉक्टर ऐसी चीजें सही ठहराने लगे हैं जिनकी बहुत ज्यादा जरूरत नहीं, और मरीजों को ऐसे इलाज भुगतने पड़ते हैं। अनिवार्य प्रश्न है कि क्या व्यापारिक लाभ चिकित्सकीय निर्णयों के अधीन बने रहें या उन पर हावी होते जाएं।

सभी तरह की शपथ का ध्येय है- चिकित्सा का वजूद सर्वप्रथम मरीजों के हित में हो। पेशेवर आजादी, सही इलाज और जनता के भरोसे के लिए इस सिद्धांत को बनाए रखना जरूरी है। जब मरीजों को शक हो जाए कि परीक्षाओं, दवा की पर्ची, इलाज प्रक्रिया में किसी और के पास भेजने या उपचार क्रिया के पीछे छिपे आर्थिक मकसद हैं, तो इससे डॉक्टरों की नैतिक साख कमजोर होती है और स्वास्थ्य देखभाल भंडी सरीखा व्यापार बन जाता है। भारतीय चिकित्सा के सामने संकट सिर्फ इलाज पर खर्च की मात्रा का नहीं, बल्कि इसका है कि चिकित्सा का स्वरूप क्या से क्या बनता जा रहा। भारत को एक ऐसे आधुनिक स्वास्थ्य तंत्र की जरूरत है जिसमें पूंजी इलाज करने में लगे, तकनीक उपचार में फूँसे लेने में सहायक हो और संस्थान पेशेवर नैतिकता से समझौता करने के बजाय उसकी रक्षा करें। शपथ का महत्व तभी होता है जब व्यवस्था उसे निभाने का मौका दे।

अब दिल्ली न रही दिलवालों की

वैसे तो जी, देखा जाए तो दिल्ली सत्ताधारियों की ही रही है-जब पुरानी थी, तब भी और जब नई हुई, तब भी। सात बार उजड़कर भी और सात बार बसकर भी। इसके बावजूद, कई बार लोग, चाहे लाड़ में ही सही, कह देते हैं कि दिल्ली तो दिलवालों की है जी। लेकिन इधर लगता है कि दिल्ली आंदोलनकारियों की हो गई है, जिन्हें मोदीजी, चाहे छेड़ते हुए ही सही, ‘आंदोलनजीवी’ करते रहे हैं। दिल्ली जब अंग्रेजों की थी, तब भी वह कई बार आंदोलनकारियों, अर्थात् स्वतंत्रता सेनानियों की ही लगती थी। वह वायसराय की उदनी नहीं लगती थी, जितनी गांधी-नेहरू की लगती थी। इधर दिल्ली सत्ताधारियों की तो खैर है ही, जैसे कि वह हमेशा से रही है, लेकिन अब वह आंदोलनकारियों की भी लगने लगी है। वैसे तो किसानों का आंदोलन भी कोई बहुत पुरानी बात नहीं है, जहां से ‘आंदोलनजीवी’ शब्द निकला। लेकिन

इधर तो कभी जेन-जी का आंदोलन, तो कभी विपक्ष का आंदोलन। कभी जंतर-मंतर पर आंदोलन, तो कभी कर्नाट प्लेस में आंदोलन। कभी चुनाव आयोग के सामने आंदोलन, तो कभी आकाशवाणी में घुसकर आंदोलन। कभी इंडिया गेट पर आंदोलन, तो कभी सुप्रीम कोर्ट के सामने आंदोलन। इधर तो ऐसा लगा, जैसे दिल्ली सात तालों में भी बंद रही। यह दिल्ली पुलिस का घेरा, यह रैपिड एक्शन फोर्स का घेरा, यह सीआरपीएफ का घेरा, यह बीएसएफ का घेरा। और तो और, एक घेरा गेरुए गमछों वालों का भी था, जो कह रहे थे कि हम दिल्ली पुलिस की रक्षा करने आए हैं। खैर, घेरे ही घेरे थे-महाभारत वाले चक्रव्यूह के घेरों की तरह। अरे भाई, सरकार नहीं, दिल्ली घिरी हुई थी। सात तालों में बंद थी। सब कुछ बंद ही बंद था। रेल बंद, मेट्रो बंद, बस बंद, ऑटो-टैक्सी सब बंद। लेकिन जैसे जादू के खेल में जादूगर खटाक से सातों ताले खोल देता है, वैसे ही आंदोलनकारियों ने भी इन सात तालों को खोलने की बार-बार कोशिश की। लेकिन आंदोलनकारी तो आंदोलनकारी होते हैं, जादूगर नहीं। इसीलिए, पिटते-कुटते हुए भी वे बस ताले खोलने की कोशिश में लगे रहते हैं। इसी कोशिश में, हमेशा सत्ताधारियों की रहने वाली दिल्ली कई बार उनकी भी लगने लगती है। नहीं क्या?

- सहोराम

आ गया सांसों के इम्तिहान का समय

अगले 15 दिन रहेंगे अहम, एनसीआर में 1 नवंबर से लागू होगा विंटर एक्शन प्लान

नई दिल्ली।

दिल्ली-एनसीआर को जिन जहरीली हवाओं से बचाने के लिए साल भर से बैठकें और तैयारियां चल रही थी, नवंबर तक इसके गंभीर श्रेणी में पहुंचने का अनुमान है। फिलहाल इसे देखते हुए एनसीआर में आने वाले चारों राज्यों को अलर्ट किया है। साथ ही एक्शन प्लान के मुताबिक कड़े कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। इस बीच दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण में वाहनों से होने वाले प्रदूषण की बड़ी हिस्सेदारी को देखते हुए एक नवंबर से ही दिल्ली में आने वाले बीएस-6 से नीचे के पेट्रोल व डीजल से चलने वाले कार्मशियल व निजी वाहनों के संचालन को प्रतिबंधित कर दिया है। माना जा रहा है कि इससे वायु प्रदूषण के स्तर में कमी दिखेगी। वहीं पराली को जलने से रोकने के लिए पंजाब, हरियाणा व उत्तर प्रदेश में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) व राज्यों की तीन सौ से अधिक टीमें भी तैनात की गई हैं। जो कंट्रोल रूम की निगरानी में 24 घंटे काम करेगी। इस बीच साथ ही प्रदूषण बढ़ने वाले क्षेत्रों में यानी हाट स्पाटों पर 24 घंटे निगरानी रखने के भी निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही वन एवं पर्यावरण मंत्रालय ने भी निगरानी बढ़ा दी है। मंत्रालय के सचिव ने खुद राज्यों के साथ इसे लेकर बैठकें शुरू कर दी हैं। हाल ही में उन्होंने उत्तर प्रदेश के साथ बैठक की है। वहीं वायु गुणवत्ता आयोग भी जमीनी स्तर पर एक्शन प्लान के अमल को जांचने में जुटी है। इसके साथ ही दिल्ली- एनसीआर में पुराने मकानों के तोड़ने व निर्माण आदि पर रोक लगाई गई है। वायु प्रदूषण से निपटने के लिए दिल्ली सहित एनसीआर से जुड़े सभी राज्यों में सर्दियों के लिए अपना एक एक्शन प्लान भी तैयार किया है। जो एक नवंबर से प्रभावी होगा। जिसमें सड़कों पर पानी का छिड़काव, मशीनों से उसकी सफाई, शत-प्रतिशत कचरे को उठाने, कोयला तंदूर व डीजल जनरेटर आदि के रोकथाम के लिए सभी राज्यों ने अपने नियम बनाए हैं। बगैर प्रदूषण प्रमाणपत्र वाले वाहनों को पेट्रोल पंपों पर ईंधन नहीं दिया जा रहा है। इसे लेकर दिल्ली के क्रीब पांच सौ पेट्रोल पंपों पर आऑटोमेटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन कैमरे लगाए गए हैं। एक नवंबर से पार्किंग शुल्क दोगुना किया गया है। ताकि निजी वाहनों के उपयोग को कम किया जा सके। सरकारी व निजी कार्यालयों में काम करने वाले पचास पतिशत कर्मचारियों को वर्क फ्रॉम होम देने की व्यवस्था करने के लिए कहा गया है।

हमें आजमाने की भूल न करे ईरान

चुनाव में खलल डालने की कोशिश पर नेतन्याहू ने दी चेतावनी

यरुशलम। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने दावा किया है कि ईरान और उसके सहयोगी संगठन मंगलवार को होने वाले इजरायली आम चुनावों को बाधित करने की कोशिश कर सकते हैं। अपने कार्यालय द्वारा जारी एक वीडियो संदेश में नेतन्याहू ने तेहरान को किसी भी शत्रुतापूर्ण कार्रवाई के खिलाफ कड़ा अल्टीमेटम दिया।

उन्होंने कहा कि उनके पास ऐसे खुफिया संकेत हैं कि चुनाव प्रक्रिया में खलल डालने के इरादे से दुश्मन हमले की साजिश रच सकते हैं। ईरान को आगाह करते हुए नेतन्याहू ने कहा कि हमें मत आजमाना। तुम्हें उम्मीद से कई गुना भारी नुकसान उठाना पड़ेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि इजरायली सेना रक्षात्मक और आक्रामक दोनों तरह के अभियानों के लिए पूरी तरह मुस्तैद है। चुनावी अभियान के आखिरी दौर में नेतन्याहू ने अपनी पूरी रणनीति राष्ट्रीय सुरक्षा और रक्षात्मक छवि पर केंद्रित कर दी है। वे

मतदाताओं के बीच यह संदेश देने की कोशिश कर रहे हैं कि केवल वही ईरान के संकट से देश को पार लगा सकते हैं। उन्होंने अमेरिका के साथ मिलकर फरवरी में ईरान के खिलाफ छेड़े गए सैन्य अभियान का हवाला देते हुए खुद को सबसे सक्षम नेता के रूप में पेश किया है। हाल ही में उन्होंने घोषणा की थी कि उन्होंने इजरायल के सुरक्षा बलों को ईरान के धार्मिक शासन को उखाड़ फेंकने का निर्देश जारी किया है।

इससे पहले एक लड़ाकू विमान के सामने खड़े होकर उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से फोन पर बात करते हुए एक वीडियो साझा किया था, जिसमें उन्होंने साथ मिलकर काम

पूरा करने की बात कही थी। कल नेतन्याहू ने सोशल मीडिया पर एआई से तैयार एक तस्वीर भी पोस्ट की थी, जिसमें तेल अवीव शहर के ऊपर परमाणु धमाके का एक विशाल मशरूम क्लाउड उठता दिख रहा था।

इस तस्वीर के साथ उन्होंने एक दक्षिणपंथी टिप्पणीकार के बयान का हवाला दिया, जिसमें ईरान को इजरायल के अस्तित्व के लिए सीधा खतरा बताया गया था और यह तर्क दिया गया था कि चुनावी मौसम के बाकी सभी मुद्दे इस संकट के आगे बेमानी हैं। मतदान से ठीक पहले नेतन्याहू के इन आक्रामक बयानों और परमाणु खतरे की चेतावनी ने इजरायल के राजनीतिक पारे को बेहद गरमा दिया है।

पाकिस्तान: मुठभेड़ में 6 आतंकी और 2 सैनिकों की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सुरक्षाबलों के साथ हुई भीषण मुठभेड़ में कम से कम 6 आतंकवादी मारे गए, जबकि सेना के दो जवानों की मौत हो गई। पाक आर्मी द्वारा जारी बयान के अनुसार, यह मुठभेड़ शनिवार को डेरा इस्माइल खान जिले के जरकानी इलाके में चलाए गए एक खुफिया अभियान (इंटरिजेंस-बेस्ड ऑपरेशन) के दौरान हुई। इस मुठभेड़ में मारे गए आतंकीयों के पास से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया है। पाक सेना के अनुसार, ये आतंकवादी सुरक्षा बलों और कानून लागू करने वाली एजेंसियों पर हमलों के साथ-साथ आम नागरिकों की हत्याओं में भी शामिल थे। मृतक सैनिकों की पहचान 36 वर्षीय नायक गुलाम मुर्तजा और 30 वर्षीय सिपाही तसीर अहमद के रूप में हुई है। पाक सेना के अनुसार, इलाके में बचे हुए आतंकवादियों का सफाया करने के लिए तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। सेना ने यह भी कहा कि आतंकवाद के खिलाफ अभियान जारी रहेंगे।

लखनऊ में चैंबर गिराने पहुंचे बुलडोजर पर चढ़े वकील

लखनऊ।

उच्च न्यायालय के आदेश पर नगर निगम की टीम ने कचहरी रोड पर सौ अवैध कब्जों को ढहा दिया। इसमें अधिकांश वकीलों के चैंबर थे। अधिवक्ताओं के भारी विरोध के बीच करीब सात घंटे तक कार्रवाई चली। इस दौरान कई अधिवक्ता बुलडोजर पर चढ़ गए और उसके आगे लेटकर नारेबाजी की। हालांकि पर्याप्त पुलिस और पीएससी बल मौजूद होने के कारण वकील को उपद्रव नहीं कर सके। सुबह करीब नौ बजे नगर निगम की टीम भारी पुलिस बल के साथ कचहरी रोड पर कैसरबाग डिपो और रेजीडेंसी के पास पहुंची। करीब एक घंटे दस बजे दस बुलडोजर से कचहरी के बाहर वकीलों के अवैध चैंबरों, दुकानों और अन्य अतिक्रमण पर कार्रवाई शुरू की। कुछ देर बाद ही बड़ी संख्या में अधिवक्ता जुट गए। कार्रवाई

लुइज इनासियो लूला फिर ब्राजील के राष्ट्रपति बने

ट्रंप के करीबी बोलसोनारो को हराया

वोटों की गिनती के बाद लूला 51.21 प्रतिशत वोटों के साथ आगे चल रहे थे, जबकि बोलसोनारो को 48.79 प्रतिशत वोट मिले थे।

चुनाव प्राधिकरण द्वारा लूला की जीत की पुष्टि करने से पहले ही पोलस्टर डेटाफोलहा ने उनकी जीत का अनुमान लगा लिया था। यह परिणाम लैटिन अमेरिका में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सहयोगियों के लिए एक बड़ा झटका है। बोलसोनारो की जीत ब्राजील में दक्षिणपंथी झुकाव को दर्शाता। वहीं, लूला की जीत का मतलब है कि अब ब्राजील और

मेक्सिको दोनों देशों में वामपंथी विचारधारा वाले नेता हैं। सीनेटर फ्लावियो बोलसोनारो ने वॉशिंगटन के साथ करीबी रिस्ते बनाने के मुद्दे पर चुनाव प्रचार किया था। उन्होंने ट्रंप प्रशासन के साथ बेहतर समझौते करने का वादा भी किया था। लूला ने ब्राजील के प्रति अमेरिकी नीतियों की आलोचना की थी। इनमें ब्राजीलियाई निर्यात पर लगाए गए शुल्क और नशीले पदार्थों की तस्करी करने वाले समूहों

को विदेशी आतंकवादी संगठन घोषित करने जैसे मुद्दे शामिल थे। यह मुकाबला दो बिल्कुल विपरीत राजनीतिक खेमों के बीच था। इनके बीच अमेरिका के साथ संबंधों, अपराध, जलवायु नीति और सामाजिक कल्याण जैसे मुद्दों पर गहरे मतभेद थे।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

‘शक’ से डिलीट हुए अनूप सोनी के सीन्स

अनूप सोनी ने दर्शकों को शक: ट्रस्ट नो वन में अपने ऐसे काम की झलक दिखाई है, जो दर्शकों ने कभी नहीं देखी थी। नेटफिलक्स की इस थ्रिलर फिल्म में परिणीति चोपड़ा और जेनिफर विंगेट ने अहम भूमिका निभाई है। अनूप सोनी ने सीरीज में इस्पेक्टर खुराना का किरदार निभाया है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर कुछ ऐसे सीन शेयर किए जिन्हें फिल्म के फाइनल वर्जन से हटा दिया गया था। उन्होंने इस बात पर निराशा भी जताई कि इन सीन्स को फिल्म में शामिल नहीं किया गया। इन क्लिप्स में इस्पेक्टर खुराना के कुछ सीन्स के लिए की गई फिजीकल ट्रेनिंग को झलक मिलती है। एक वीडियो में, अनूप के शरीर पर चोटें दिखाई दे रही हैं, जो उनके किरदार और को-स्टार विकी अरोड़ा के बीच होने वाली लड़ाई से पहले की हैं। इस सीन के आखिर में वह विकी अरोड़ा का गला दबाते हुए नजर आते हैं। एक और क्लिप में अनूप की सांसें फूली हुई दिख रही हैं, और उनकी कमर पर एक कैमरा लगा हुआ है। हालांकि ये सीन्स शो में शामिल नहीं हो पाए, लेकिन अनूप की पोस्ट से पता चलता है कि इन्हें तैयार करने में कितनी मेहनत लगी थी।

गजब रात : क्राइम थ्रिलर में हुकुम का इक्का हैं मनोज बाजपेयी

मनोज बाजपेयी स्टारर ‘गजब रात’ ने नेटफिलक्स पर दस्तक दे दी है। इस फिल्म का टाइटल पहले ‘घूसखोर पंडित’ था लेकिन टाइटल को लेकर हुए विरोध के चलते इसका नाम बदल दिया गया। सरस्पेंस क्राइम थ्रिलर आखिरकार रिलीज हो गई है। ‘गजब रात’ में मनोज बाजपेयी ने एक थ्रट पुलिस ऑफिसर अजय निर्वित का लीड किरदार निभाया है। जो रिश्तखोर है और पैसों के लिए कुछ भी कर सकता है। कहानी की शुरुआत दिल्ली के एक होटल में रेड मारने से होती है जहां नुसरत भरुचा का किरदार रोजी भी होती है लेकिन रोजी से मिलने वाली रिश्त के चलते निर्वित उसे छोड़कर बाकी को हिरासत में ले लेता है। इस बीच शहर में एक चलती हुई कार से गंभीर रूप से घायल हुई लड़की बाहर कूद जाती है। जिसका केस अजय निर्वित को हैंडओवर किया जाता है। लड़की को हॉस्पिटल में भर्ती किया जाता है लेकिन निर्वित इस लड़की के केस से ज्यादा खुद को होने वाले फायदे के बारे में सोचता है और इसीलिए वहां पहुंचे संदिग्ध सीबीआई ऑफिसर का साथ देने का फैसला करता है और लड़की को हॉस्पिटल में ही मारने का प्लान बनाता है। आखिर कौन है वो लड़की? क्या निर्वित लड़की को मारने में सफल होता है? या फिर सरस्पेंस से भरी कहानी कोई और मोड़ लेती है? इन सवालों के जवाब फिल्म देखने पर ही मिलेंगे।

मनोज बाजपेयी ने एक घूसखोर ऑफिसर के किरदार में जान डाल दी है। अक्षय ओबेरॉय, साकिब सलीम ने अच्छा है और इसीलिए वहां पहुंचे संदिग्ध सीबीआई ऑफिसर का साथ देने का फैसला करता है और लड़की को हॉस्पिटल में ही मारने का प्लान बनाता है।

पिंक, एयरलिफ्ट और रेड जैसी बेहतरीन फिल्मों का डायरेक्शन करने वाले निर्देशक रितेश शाह ने गजब रात का निर्देशन शानदार तरीके से किया है। 2 घंटे 03 मिनट में सिर्फ एक रात के ईर्द-गिर्द बुनी गई कहानी में भरपूर सरस्पेंस है। किसी भी पॉइंट पर कहानी प्रोडिक्टिवल नहीं लगती। हालांकि इनकी पुरानी फिल्मों से इसकी तुलना करना थोड़ी वामपंथी होगी। ‘गजब रात’ की सबसे बड़ी खूबियों में इसकी कहानी और एक्टर्स को बेहतरीन परफॉमेंस है। मनोज

बाजपेयी के साथ-साथ अन्य सपोटिंग कलाकारों ने भी अपने-अपने किरदारों के साथ न्याय किया है। कहानी कहीं भी रसो और बोरिंग नहीं होती और आखिरी तक सरस्पेंस बना रहता है। एक्टिंग-डायरेक्शन के साथ फिल्म का टॉपिक भी साधारण सरस्पेंस थ्रिलर से हटकर है जो भ्रष्टाचार, डर्टी पॉलीटिक्स, क्राइम, भ्रष्ट सिस्टम की कई परतें खोलता है वो भी सिर्फ एक रात में। शुरू से लेकर आखिरी तक फिल्म आखिरी तक सरस्पेंस के साथ बांधे रखने की कारिबलियत रखती है और यही एक अच्छी सरस्पेंस थ्रिलर की पहचान है। कहानी की सबसे बड़ी कमी मनोज बाजपेयी की किरदार में आने वाला अचानक बदलाव है। एक ऑफिसर को बड़ा घूसखोर है, एक ही रात में एकदम से कैसे बदल जाता है? आखिर निर्वित का हृदय परिवर्तन कैसे हो गया इसका कोई ठोस कारण नहीं दिखाया गया। इसके अलावा नुसरत भरुचा और कीकू शारदा के किरदारों का कोई खास इस्तेमाल नहीं हुआ, सिवाय छोटी-मोटी बातचीत के। अक्षय ओबेरॉय और साकिब के किरदार भी और दमदार हो सकते थे। फिल्म का ओरिजिनल नाम घूसखोर पंडित था।

16 घंटे काम करना...

अभिनेत्री अदिति शर्मा के लिए अभिनय सिर्फ पद पर किसी पात्र को जीना नहीं, बल्कि उसके जरिये कुछ कहने का भी जरिया है। लेडीज वर्सेस रिकी बहल और अन्य फिल्मों में नजर आ चुकीं अदिति इन दिनों कलर्स के शो शायद यही है प्यार में मुख्य भूमिका निभा रही हैं। खई साल के ब्रेक के बाद काम पर लौटें अदिति के लिए यह वापसी मां बनने के बाद अपनी पहचान बनाने का भी सफर है। क्या टीवी पर सास-बहू ड्रामा के बीच अपने लिए अलग भूमिका ढूंढ़ पाना कठिन होता है? इसके लिए शो लिखने वाले और आपका उस शो का हिस्सा बनने का समय सही होना चाहिए। मैं हमेशा से महिला प्रधान और परतदार बनना चाहती हूं, जिसे करने में डर लगे, सेट पर नर्वस हो जाऊं। आसान काम मुझे नहीं पसंद है। मुझे वे रोल पसंद आते हैं, जो लोगों से जुड़ते हैं। पहले जब धारावाहिक गंगा की मीटिंग के लिए गई थी तो मैं आश्चर्य नहीं थी कि मुझे टीवी में काम करना है या नहीं, लेकिन उसकी कहानी सुनी तो लगा कि करना चाहिए।

श्री बाल रूप हनुमान मंदिर समिति की अनूठी पहल, नवरात्र में देवी प्रतिमाओं से लेकर व्यायामशालाओं तक का सम्मान

शुक्रवारी चौक में आयोजित कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, पुलिस अधीक्षक एवं गणमान्य नागरिकों की रही उपस्थिति, नगरवासियों का मिला अपार समर्थन



सिवनी। स्वतंत्र मत। नगर के शुक्रवारी चौक स्थित श्री बाल रूप हनुमान मंदिर समिति, पुरानी महावीर टॉकीज द्वारा शारदेय नवरात्र के अवसर पर एक अनूठी पहल की गई।

नगर के प्रतिष्ठित जनों की उपस्थिति में नगर में विराजित देवी प्रतिमाओं, व्यायामशालाओं, मूर्तिकारों एवं नगर के बैंड वादकों को सम्मानित किया गया। इस पहल का उद्देश्य धार्मिक आयोजनों में योगदान देने वाले

लोगों एवं संस्थाओं के प्रति सम्मान व्यक्त करना रहा। कार्यक्रम में विधायक दिनेश राय मुनमुन, भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष एवं प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सुजीत जैन, नपा अध्यक्ष ज्ञानचंद सनोडिया, पुलिस अधीक्षक कृष्ण लालचंदानी, समाजसेवी एवं कांग्रेस नेता अतुल मालू सहित नगर के अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी की उपस्थिति में सम्मान समारोह आयोजित कर नवरात्र



पर्व के दौरान अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले लोगों एवं संस्थाओं का उत्साहवर्धन किया गया। समिति की इस पहल को नगरवासियों का अपार समर्थन प्राप्त हुआ।

धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं को आगे बढ़ाने के साथ-साथ समाज में आपसी सद्भाव और सम्मान की भावना को प्रोत्साहित करने वाली इस पहल की सराहना की गई। श्री बाल रूप हनुमान मंदिर

समिति ने इस आयोजन को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों एवं नगरवासियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि नगरवासियों का स्नेह, सहयोग और समर्थन समिति के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। समिति ने सभी नगरवासियों का आभार जताते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार सहयोग बनाए रखने की अपेक्षा व्यक्त की।

कौमी एकता कमेटी अध्यक्ष असलम बाबा ने जिला चिकित्सालय में स्वच्छता अभियान के अंतर्गत दिया सहयोग



सिवनी। स्वतंत्र मत। दिनांक 26/10/ 2026 को जिला चिकित्सालय मेल मेडिकल वार्ड के सामने पहुंचकर स्वच्छता अभियान में कार्य कर रहे कर्मचारियों को कौमी एकता कमेटी के अध्यक्ष असलम बाबा ने सहयोग प्रदान किया साथ ही जिला चिकित्सालय के मरीज एवं परिजनों से अपील की जिला चिकित्सालय आपका अपना है कहों पर भी कचरा ना फेंके। डस्टबिन रखे हुए हैं। डस्टबिन पर ही

कचरा डालें। अस्पताल परिसर के अंदर यहां वहां ना थूके साथ ही जिला चिकित्सालय में स्वच्छता बनाए रखने में सभी लोग सहयोग करें। जिससे हमारा जिला चिकित्सालय साफ और स्वच्छ बना रहे। उपस्थित रहे कौमी एकता कमेटी के अध्यक्ष असलम बाबा अखिलेश नागेश्वर गुड्डू, बघेल आदि कर्मचारी मौजूद रहे।

कलार समाज की प्रांतीय समिति का गठन, पिपरवानी के सुधीर राठौर और योगेश डहरवाल को मिली जिम्मेदारी



कुरई। रविवार को कुरई में कलार समाज की बैठक आयोजित की गई। बैठक में छिंदवाड़ा, पांडुरण, सौसर, बालाघाट, सिवनी एवं नागपुर सहित विभिन्न क्षेत्रों से समाज के सम्माननीय जन उपस्थित रहे।

बैठक में समाज की प्रांतीय समिति का गठन किया गया। इस अवसर पर पिपरवानी निवासी सुधीर राठौर को प्रांतीय कोषाध्यक्ष तथा योगेश डहरवाल को प्रांतीय सह संगठन मंत्री का दायित्व सौंपा गया।

तेंदुए और सियार की मौत का जिम्मेदार कौन ?

पांच दिन बाद भी रेंजर, डिप्टी व बीटगार्ड पर नहीं हो पाई कार्रवाई

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। मध्य प्रदेश राज्य वन विकास निगम लिमिटेड के लामता परियोजना मंडल के जंगलों में वन और वन्यजीवों की सुरक्षा को लेकर सवाल उठ रहे हैं। क्षेत्र में सागौन की अवैध कटाई और वन्यजीवों की मौत के मामले सामने आए हैं। इसके बावजूद जिम्मेदार अधिकारियों-कर्मचारियों पर कार्रवाई नहीं होने से वन अपराधों पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। परियोजना परिक्षेत्र उकवा और लालबरा में दो तेंदुओं और एक सियार की मौत ने सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं। उकवा के हिर्री बीट में करंट लगाने से एक तेंदुए और सियार की मौत हुई। घटना के पांच दिन बाद भी रेंजर,



डिप्टी रेंजर और बीटगार्ड पर कार्रवाई नहीं की गई। इससे जंगल में नियमित गश्त और अवैध कटाई रोकने के प्रयासों पर सवाल उठ रहे हैं। लामता परियोजना मंडल के परिक्षेत्रों में अधिकारों रेंजर स्थानीय निवासी हैं। जबकि नियमानुसार उन्हें जिले में पदस्थ नहीं रखा जा सकता, लेकिन उच्चाधिकारियों के संरक्षण के चलते ऐसा हो रहा है। वन्यप्राणी की मौत के मामले में रेंजर अजय कामड़े, डिप्टी रेंजर चुरन मेरावी और बीटगार्ड अमर पंदे पर

कार्रवाई नहीं होने से उनकी जवाबदेही को लेकर भी सवाल उठे हैं? उकवा परियोजना परिक्षेत्र के हिर्री बीट स्थित कक्ष क्रमांक 1815 के जंगल में 22 अक्टूबर को करीब छह वर्ष का नर तेंदुआ मृत मिला था। उसके पास एक सियार का शव भी मिला। तेंदुए के चारों पंजे और खाल गायब थे। जांच में उसकी मौत करंट लगने से होना पाया गया। मामले में छह आरोपितों को हिरासत में लेकर रविवार को जेल भेज दिया गया। हालांकि, पंजे

तंत्र-मंत्र के लिए काटे गए थे या खाल के साथ तस्कारी कर मोटी रकम कमाने के इरादे से, यह स्पष्ट नहीं हो पाया है। वन विभाग के उच्चाधिकारी मामले की उचित जांच करें तो मौत का राज खुल सकता है।

मीडिया से जानकारी छिपाई गई...

वन्य प्राणी की करंट से मौत को जंगल का राज बनाने के लिए वन विकास निगम के कर्मचारियों के द्वारा मीडिया से तक जानकारी छिपाई जा रहों हैं कोई भी जानकारी मीडिया से साझा करने से आनाकानी कर रहों हैं। 22 अक्टूबर को घटना के बाद आनन-फानन में 23 अक्टूबर को अग्नीदाह कर दिया गया और 24 को जेल भेज दिया गया। वहीं लालबरा क्षेत्रिय में वन्य प्राणी बाघ को जंगल का राज बनाने के मामले

बिना मूल्यांकन राशि निकालने का आरोप, सहायक यंत्री बोले बगैर काम के भुगतान हुआ, मूल्यांकन के लिए बनाया जा रहा दबाव

सिवनी। स्वतंत्र मत। आदिवासी बाहुल्य कुरई विकासखंड की ग्राम पंचायत मोहगांव के अंतर्गत ग्राम करहेया में निर्माण कार्यों के नाम पर लाखों रुपये की राशि निकाले जाने का मामला सामने आया है। ग्रामीणों ने पंचायत के पूर्व सचिव पर बिना कार्य पूर्ण किए और मूल्यांकन कराए राशि आहरित करने का आरोप लगाते हुए मामले की जांच और कार्रवाई की मांग की है।

ग्रामीणों का आरोप है कि राशि आहरण के बाद पूर्व सचिव का दूसरी पंचायत में स्थानांतरण हो गया। उनका कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच की जाए तो वित्तीय अनियमितताओं से जुड़े



अन्य तथ्य भी सामने आ सकते हैं।

आशीष (आशु) अग्रवाल बने भाजपा व्यापारी प्रकोष्ठ जिला सिवनी के संयोजक

प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की सहमति एवं जिलाध्यक्ष मीना बिसेन की अनुशंसा पर हुई नियुक्ति, शुभचिंतकों ने दी बधाई

सिवनी। स्वतंत्र मत। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री हेमंत खंडेलवाल की सहमति एवं भाजपा जिलाध्यक्ष श्रीमती मीना बिसेन की अनुशंसा पर शहर के



प्रतिष्ठित व्यापारी आशीष (आशु) अग्रवाल को भारतीय जनता पार्टी व्यापारी प्रकोष्ठ, जिला सिवनी का संयोजक नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति पर भाजपा कार्यकर्ताओं, व्यापारियों एवं शुभचिंतकों में हर्ष का माहौल है। आशीष (आशु) अग्रवाल की नियुक्ति पर उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की गई हैं। आशा व्यक्त की गई कि वे अपने दायित्व का निष्ठापूर्वक

निर्वहन करते हुए व्यापारियों की समस्याओं को उचित मंच तक पहुंचाने, व्यापारी वर्ग को संगठन से जोड़ने तथा भारतीय जनता पार्टी की नीतियों एवं विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। उनकी नियुक्ति को जिले में व्यापारी प्रकोष्ठ की गतिविधियों को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

राज्य स्तरीय कलारिपयट्ट प्रतियोगिता में सिवनी के खिलाड़ियों ने जीते पांच पदक



मुस्कान, तनु और मोनिका ने स्वर्ण, गोपाल कुमार कुशवाहा ने रजत और अनय दुबे ने कांस्य पदक जीता

सिवनी। स्वतंत्र मत। मुरैना में 24 और 25 अक्टूबर 2026 को आयोजित द्वितीय राज्य स्तरीय पुनथूरा सुमन मेमोरियल कप कलारिपयट्ट प्रतियोगिता में सिवनी के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए तीन स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य सहित कुल पांच पदक जीते। मुस्कान चौरसिया और तनु चौरसिया के तलवारबाजी प्रदर्शन स्पर्धा में स्वर्ण पदक हासिल किया। सोनियर वर्ग की ग्राउंड फाइटिंग स्पर्धा में मोनिका धुर्वे ने स्वर्ण पदक जीता। टीम के कोच एवं

सचिव गोपाल कुमार कुशवाहा ने रजत, जबकि अनय दुबे ने कांस्य पदक प्राप्त किया। स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ी नवंबर में गोवा में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय प्रतियोगिता में मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे। प्रतियोगिता का आयोजन राधिका पैलेस, मुरैना में किया गया, जिसमें प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए खिलाड़ियों ने भाग लिया। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री नारायण सिंह कुशवाहा, ओमकार स्पोर्ट्स अकादमी के अध्यक्ष राकेश कुशवाहा, ओबीसी मोर्चा के जिला अध्यक्ष रविंद्र कुशवाहा, समाजसेवी प्रशांत शर्मा और मालवा कलारिपयट्ट एसोसिएशन मध्य प्रदेश के महासचिव गजेन्द्र सिंह राठौड़ उपस्थित रहे।

नक्सल प्रभावित रहे 100 गांवों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने प्रशासन ने तेज किए प्रयास

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। जिले के नक्सल प्रभावित रहे 100 गांवों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप जिला प्रशासन द्वारा तेजी से प्रयास किए जा रहे हैं।

कलेक्टर आदित्य सिंह के मार्गदर्शन में इन गांवों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के साथ-साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। युवाओं और जनजातीय समुदाय के लोगों के लिए स्वरोजगार की संभावनाएं विकसित करना भी इस अभियान का प्रमुख उद्देश्य है। कलेक्टर आदित्य सिंह के निर्देश पर नक्सल प्रभावित रहे 100 गांवों को चार क्लस्टर में विभाजित किया गया है। सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को आगामी 14 दिनों तक इन गांवों का भ्रमण कर ग्रामीणों से संवाद करने और उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप विकास कार्यों के प्रस्ताव तैयार करने की

जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस दौरान गांवों में उपलब्ध सुविधाओं की स्थिति का आकलन कर आवश्यक अधोसंरचना विकास के लिए कार्ययोजना बनाई जा रही है। **बुनियादी सुविधाओं के विस्तार पर जोर...** अभियान के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, पुल-पुलिया, पेयजल, सिंचाई, स्कूल भवन, आंगनबाड़ी भवन और बिजली जैसी मूलभूत सुविधाओं की जरूरतों का आकलन किया जा रहा है। अधिकारियों द्वारा ग्रामीणों से चर्चा कर उनकी प्राथमिकताएं जानी जा रही हैं, ताकि प्रस्तावित विकास कार्य स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार किए जा सकें।

अधिकारियों ने गांवों में पहुंचकर ग्रामीणों से किया संवाद...26 अक्टूबर को लांजी एसडीएम आदित्य नारायण तिवारी ने नेतृत्व में अधिकारियों की टीम ने कुट्टीपार, सतीना, बरगुड़ और देवरबेली गांवों का भ्रमण कर

ग्रामीणों से चर्चा की। वहीं बैहर एसडीएम अनिकेत शांडिल्य के नेतृत्व में अधिकारियों की टीम ने देड़कुसा, बिलातकुसा, सोनगुड्डा, लूद, हिर्री, भर्री, सोनपुरी और बिठौरी गांवों का दौरा किया। ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के कोषपालन यंत्री मनोज धुर्वे ने किरानापुर क्षेत्र के सीतापार और बोरवन गांवों का भ्रमण कर ग्रामीणों से चर्चा की। सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्रीमती शकुंतला डामोर ने उकवा-विठली क्षेत्र के छात्रवासों का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इसी प्रकार उप संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं डॉ. घनश्याम परते, उप संचालक मनस्योद्योग श्रीमती पूजा राठोड़े और सर्व शिक्षा अभियान के जिला परियोजना समन्वयक जी.पी. बर्मन भी अपनी टीमों के साथ संबंधित गांवों में पहुंचे। अधिकारियों ने ग्रामीणों की आवश्यकताओं और क्षेत्र में विकास की संभावनाओं को जानकारी जुटाई।

खैरलांजी में सर्पदंश से 16 वर्षीय छात्रा की मौत



अपने माता-पिता के साथ खेत में धान का बोझा बांधते गई थी। काम पूरा होने के बाद जब वह खेत की मेड़ से होकर घर लौट रही थी, तभी उसे जहरीले सांप ने डस लिया। घटना के तुरंत बाद परिजन उसे मोटरसाइकिल से खैरलांजी के स्थानीय अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां उसे सर्पदंश के उपचार के लिए एंटी-स्नेक वेनम दिया गया, लेकिन उसकी हालत में सुधार नहीं हुआ। इसके बाद चिकित्सकों ने छात्रा को जिला अस्पताल रेफर किया। जिला अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। जिज्ञासा अपने दो भाई-बहनों में सबसे बड़ी थी। उसकी असमय मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव में भी शोक का माहौल है। अस्पताल पुलिस चौकी ने शव का पंचनामा तैयार कर शाम 4 बजे करीब पोस्टमार्टम कर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया।

मॉयल बालाघाट खान में सतर्कता जागरूकता सप्ताह का शुभारंभ

बालाघाट(स्वतंत्र मत)।

भारत सरकार की मिनी रब कंपनी मॉयल लिमिटेड की बालाघाट खान में केंद्रीय सतर्कता आयोग के निर्देशानुसार 26 अक्टूबर से 01 नवंबर तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। इस वर्ष सतर्कता जागरूकता सप्ताह का विषय सत्यनिष्ठा से समृद्धि रखा गया है। सप्ताह के दौरान अधिकारियों, कर्मचारियों एवं कामगारों को कार्यस्थल पर ईमानदारी, पारदर्शिता, जवाबदेही तथा नैतिक मूल्यों को प्राथमिकता देने के लिए



जागरूक किया जा रहा है। सतर्कता जागरूकता सप्ताह के शुभारंभ अवसर पर बालाघाट खान में शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान खान के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं कामगारों ने अपने निर्धारित

दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने तथा कार्यों में ईमानदारी एवं पारदर्शिता बनाए रखने की शपथ ली। सभी ने संगठनात्मक कार्यप्रणाली में भ्रष्टाचार के प्रति शून्य सहनशीलता रखते हुए नियमों एवं प्रक्रियाओं का पालन करने का

संकल्प व्यक्त किया। यह आयोजन मॉयल लिमिटेड मुख्यालय, नागपुर के मुख्य सतर्कता अधिकारी बी.डी. गन्गाटे एवं उप-मुख्य सतर्कता अधिकारी गौरव कुमार बैसखियार के दिशानिर्देशन में किया गया। समारोह में बालाघाट खान के

अधिकर्ता एवं महाप्रबंधक (खान), समूह-1 यू.एम. भुजाड़े, खान प्रबंधक विवेक कुमार, सतर्कता अधिकारी पवन कुमार वर्मा, सहायक महाप्रबंधक (कार्मिक) समीर बेजड़ी, सहायक महाप्रबंधक (वित्त) मोहसीन अंसारी सहित

बड़ी संख्या में अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। समारोह के दौरान वक्ताओं ने कहा कि किसी भी संस्थान की कार्यक्षमता और विश्वसनीयता मजबूत करने में सत्यनिष्ठा एवं पारदर्शिता की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। कार्यों में जवाबदेही सुनिश्चित होने से न केवल संस्थागत व्यवस्था मजबूत होती है, बल्कि कर्मचारियों और आमजन का विश्वास भी बढ़ता है। सतर्कता जागरूकता सप्ताह का उद्देश्य भी कर्मचारियों को उनके दायित्वों के प्रति सजग करते हुए पारदर्शी एवं भ्रष्टाचारमुक्त कार्यसंस्कृति को बढ़ावा देना है।

कटनी शहर में विकास या अत्यवस्थाओं का साम्राज्य ?

जाम में बेहाल जनता, जिम्मेदारों की चुप्पी पर सवाल, शहर के व्यस्त मार्गों पर यातायात का दबाव

कटनी (स्वतंत्रमत)।

कटनी शहर में विकास के दावों के बीच यातायात अव्यवस्था और जाम की समस्या नागरिकों के लिए परेशानी का सबब बनती जा रही है। शहर के व्यस्त इलाकों में वाहनों का दबाव, अव्यवस्थित पार्किंग, बीच शहर में ट्रांसपोर्ट कारोबार और डेयरियों के संचालन जैसे मुद्दों ने शहरी व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। आम नागरिकों को रोजमर्रा के आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि शहर को व्यवस्थित बनाने के लिए जिम्मेदार विभाग आखिर या कदम उठा रहे हैं?

व्यस्त मार्गों पर जाम, आमजन परेशान

शहर के घने और व्यस्त इलाकों में यातायात का दबाव लगातार परेशानी पैदा कर रहा है। ट्रांसपोर्ट कारोबार के संचालन, सड़कों के आसपास वाहनों की आवाजाही और पार्किंग की उचित व्यवस्था नहीं होने से कई स्थानों पर आवागमन प्रभावित होने की शिकायतें सामने आती रहती हैं। आदर्श कॉलोनी रोड पर पार्किंग की समस्या और निजी अस्पतालों के आसपास वाहनों की



अव्यवस्थित पार्किंग को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। अस्पतालों के आसपास जाम की स्थिति से मरीजों को परेशानी हो सकती है। राहगीरों का समय भी बर्बाद होता है। ऐसे में यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखना प्रशासन के लिए महत्वपूर्ण चुनौती है।

बीच शहर में ट्रांसपोर्ट कारोबार और डेयरियों पर सवाल

शहर के व्यस्त इलाकों में ट्रांसपोर्ट कारोबार और डेयरियों के संचालन को लेकर भी पुनर्विचार की आवश्यकता महसूस की जा रही है। नागरिकों का सवाल है कि या इन गतिविधियों के लिए निर्धारित नियमों का पालन हो रहा है? या इनके संचालन से यातायात बाधित होने की स्थिति बनती है? यदि कहीं नियमों का उल्लंघन हो रहा है, तो संबंधित विभागों द्वारा जांच कर आवश्यक कार्रवाई क्यों नहीं की जाती? शहर के बीचों-बीच संचालित होने वाली ऐसी गतिविधियों की स्थिति का सर्वे करकर यह तय किया जाना चाहिए कि यातायात और जनसुविधाओं पर उनका कितना प्रभाव पड़ रहा है।

अस्पतालों की पार्किंग और नियमों के पालन की जांच जरूरी

निजी अस्पतालों के आसपास पार्किंग की समस्या भी शहरी यातायात के लिए चुनौती बन सकती है। अस्पतालों में आने वाले मरीजों और उनके परिजनों के वाहनों के लिए पर्याप्त एवं व्यवस्थित पार्किंग की उपलब्धता सुनिश्चित करना जरूरी है। संबंधित विभागों को अस्पतालों की पार्किंग व्यवस्था और यातायात नियमों के पालन की जांच करनी चाहिए। इसी तरह, गैस एजेंसियों के संचालन में निर्धारित सुरक्षा और अन्य नियमों के पालन की जांच की आवश्यकता पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। सरकारी अस्पतालों में कार्यरत डॉक्टरों के निजी लौनिक संचालन से जुड़े मामलों में भी लागू सेवा नियमों के अनुसार स्थिति स्पष्ट की जानी चाहिए। हालांकि, इन मामलों में किसी भी तरह की अनियमितता की पुष्टि संबंधित दस्तावेजों और आधिकारिक जांच के आधार पर ही हो सकती है।

अस्पतालों के बाहर पार्किंग की समस्या और बीच शहर में कारोबार के संचालन से बढ़ रही मुश्किलें

चांडक चौक और धार्मिक आयोजनों में यातायात प्रबंधन की चुनौती

चांडक चौक जैसे व्यस्त क्षेत्रों में यातायात का दबाव सुचारु आवागमन के लिए चुनौती बना रहता है। वहाँ, जगन्नाथ मंदिर में धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों के दौरान मार्गों पर भीड़ बढ़ने से यातायात प्रभावित होने की आशंका रहती है। धार्मिक आयोजन शहर की सांस्कृतिक परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, लेकिन इनके लिए पहले से यातायात प्रबंधन, वैकल्पिक मार्ग और आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करना भी जरूरी है। सवाल यह है कि या ऐसे आयोजनों के दौरान पर्याप्त पूर्व तैयारी की जाती है या समस्या उत्पन्न होने के बाद ही व्यवस्था संचालन के प्रयास शुरू होते हैं?

नगर निगम, यातायात पुलिस और जिला प्रशासन की जवाबदेही

शहर की इन समस्याओं के स्थायी समाधान के लिए नगर निगम, यातायात पुलिस और जिला प्रशासन के बीच समन्वय आवश्यक है।

फोटो : विकास गुप्ता

वेलफेयर स्वजातीय स्वर्णकार समाज सेवा इकाई जिला कटनी द्वारा महाराजा अजमीढ़ देव जयंती का आयोजन



कटनी (स्वतंत्रमत)। वेलफेयर स्वजातीय स्वर्णकार समाज सेवा इकाई जिला कटनी द्वारा स्वर्णकार समाज के आराध्य देव महाराजा अजमीढ़देव जी की जयंती बड़े धूमधाम से मनाई गई। महाराजा अजमीढ़देव जी जयंती के उपलक्ष्य में दिनांक 24 अक्टूबर दिन रविवार को वाहन रैली निकाली गई, जो कि मुख्य रेलवे स्टेशन कटनी से सुभाष चौक, सराफा बाजार, आजाद चौक, जगन्नाथ चौक होते हुये सत्यम गार्डन नदीपार कटनी में संपन्न हुई। वाहन रैली में स्वजातीय स्वर्णकार समाज के लगभग 300 स्वजातीय बंधुओं की उपस्थिति रही। जिसमे मातृशक्ति एवं युवा वर्ग की सहभागिता सराहनीय रही। वाहन रैली में महाराजा अजमीढ़ देव की जय,

स्वर्णकार समाज जिंदाबाद, भारत माता की जय आदि नारों से रैली मार्ग गुंजाय मय हो गया । दिनांक25 अक्टूबर दिन रविवार को शरद पूर्णिमा के दिन सत्यम गार्डन नदीपार कटनी में महाराजा अजमीढ़ देव जी जयंती का आयोजन धूमधाम से किया गया, जिसमे बहुत बड़ी संख्या में स्वजातीय स्वर्णकार बंधुओं की उपस्थिति रही। महाराजा अजमीढ़देव जयंती का शुभारम्भ आराध्य देव महाराजा अजमीढ़ देव के पूजन अर्चन से किया गया। उसके पश्चात बाहर से आये हुये अतिथियों का स्वागत सम्मान, 75वर्ष से अधिक उम्र के वयोवृद्धों का सम्मान शाल एवं श्रीफल से किया गया। वर्ष 2026 में 10वीं एवं 12वीं की बोर्ड परीक्षा में 85 प्रतिशत से अधिक

प्राप्तिक प्राप्त करने वाले स्वजातीय मेधावी छात्र छात्राओं का सम्मान प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो देकर किया गया। मातृशक्ति एवं बच्चे बच्चियों द्वारा बहुत ही सगहनीय सांस्कृतिक कार्यक्रम का प्रदर्शन किया गया। जिला अध्यक्ष मोहन लाल सोनी जी द्वारा अपने अध्यक्षीय उद्घोषन में महाराजा अजमीढ़देव जी के जीवनी पर प्रकाश डालते हुये, स्वजातीय बंधुओं की एकता, सामाजिक संगठन की मजबूती, शिक्षा, एवं संस्कार के मार्ग पर आगे बढ़ने पर जोर दिया एवं समाज की बेटियों को समान अवसर देते हुये उन्हें उच्चशिक्षा देकर उनके उज्ज्वल भविष्य को सवारने का मौका देने हेतु प्रेरित किया। स्वजातीय स्वर्णकार समाज विकास समिति म. प्र./छ.ग.के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुरेश सोनी द्वारा भी प्रेरणा पूर्ण उद्घोषन दिया गया। समाज की वयोवृद्ध संरक्षक कृष्णा बुआ, केंद्रीय समिति के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य रामसेवक सोनी, ललित सोनी जबलपुर, नारायण सोनी तेवरी, जिला महिला समिति की अध्यक्ष, महिला पदाधिकारी उपस्थित थे।

दीपोत्सव के पहले पुष्य नक्षत्र के लिए सज रहा बाजार

शुभ संयोग में आभूषण, भूमि, भवन, वाहन और इलेट्रॉनिक उपकरण की होगी खरीदी

कटनी (स्वतंत्रमत)। दशहरा के बाद अब दीपोत्सव की तैयारियों ने जोर पकड़ लिया है। रोशनी के इस महापर्व के लिए अब एक पखवाड़े से भी कम समय रह गया है, लिहाजा पर्व की तैयारियां शुरू हो गई हैं। घरों की साफ सफाई से लेकर नई वस्तुओं की खरीदारी की जा रही है। इस बार दीपावली का पर्व 8 नवंबर को मनाया जाएगा, इसके पहले 1 नवंबर को पुष्य नक्षत्र का संयोग खरीदारी के लिए विशेष माना जा रहा है। एक नवंबर को सुबह 5.39 बजे से 2 नवंबर को सुबह 4.30 बजे तक रवि पुष्य योग रहेगा। ज्योतिषीय मान्यता के अनुसार पुष्य नक्षत्र में खरीदी गई वस्तुएं शुभ और स्थायी फल देने वाली मानी जाती है। ऐसे में त्योहार की

तैयारियों के बीच लोग शुभ मुहूर्त को ध्यान में रखकर खरीदारी की योजना बना सकते हैं। पंडित लोकेश व्यास के अनुसार पुष्य नक्षत्र को अमरेज्य भी कहा जाता है। यह शनि प्रधान नक्षत्र है, लेकिन इसकी प्रकृति गुरु जैसी मानी जाती है। इस नक्षत्र में सोने के आभूषण, वाहन, फ्रिज, टीवी और वॉशिंग मशीन जैसी वस्तुओं की खरीदारी को शुभ माना गया है।

पुष्य नक्षत्र में सोना-चांदी की खरीदारी शुभ

ज्योतिष शास्त्र में पुष्य नक्षत्र को 27 नक्षत्रों में विशेष स्थान प्राप्त है। इसे नक्षत्रों का राजा भी कहा जाता है। इस नक्षत्र में सोना-चांदी, हीरे के आभूषण, भूमि, भवन, वाहन और इलेट्रॉनिक उपकरण खरीदना शुभ माना जाता है। इसके अलावा देवी देवताओं की प्रतिमाएं, धार्मिक पुस्तकें, बही खाते और राश्ट्र रत्न खरीदने की भी मान्यता है। नए प्रतिष्ठान की शुरुआत और धार्मिक अनुष्ठानों के



लिए भी इस नक्षत्र को अनुकूल माना जाता है।

धनतेरस पर खरीदारी और पूजन का विशेष महत्व

दीपावली से पहले धनतेरस का त्योहार 6 नवंबर को मनाया जाएगा। धनतेरस पर खरीदारी का विशेष महत्व है। इस दिन सोना-चांदी, बर्तन और अन्य नई वस्तुएं खरीदने के तहत र परंपरा है। ज्योतिषाचार्य के अनुसार धनतेरस पर प्रदोष काल और स्थिर वृषभ लग्न में पूजन को शुभ माना गया

है। है। 6 नवंबर को शाम 6 बजकर 2 मिनट से शाम 7 बजकर 57 मिनट तक पूजन और खरीदारी का मुहूर्त बताया गया है।

सराफा बाजार में भी तैयारियां

दीपोत्सव पर्व को लेकर सराफा बाजार भी तैयारियों में जुट गया है। व्यापारियों ने पर्व के पहले सोने चांदी के सिक्के और आभूषण की बिक्री को ध्यान में रखते हुए नया स्टॉक

तैयार कर लिया है। व्यापारियों को इस बार धनतेरस और दीपावली पर्व पर अच्छी ग्राहक की उमीद है। इसी तरह इलेट्रॉनिस बाजार में टीवी, फ्रिज और वॉशिंग मशीन जैसे उत्पाद खरीदारी का हिस्सा रहेंगे।

रंग-बिरंगी लाइटिंग, सजावटी बंदनवार, आकर्षक रंगोली

बाजार में भी दीपावली की तैयारी नजर आने लगी है। घरों को सजाने के लिए इस बार पारंपरिक दीयों के साथ रंग-बिरंगी लाइटिंग, सजावटी बंदनवार, आकर्षक रंगोली और लक्ष्मी गणेश की डिजाइनर प्रतिमाओं पर खास ध्यान दिया जा रहा है। पूजा के लिए सजावटी थालियां, रेडीमेड पूजा किट और उपहार पैक भी ग्राहकों के लिए विकल्प बन रहे हैं। घर की सजावट में इस्तेमाल होने वाली झालरें, एलईडी लाइटें और डेकोरेटिव लैंप त्योहार का आकर्षण बढ़ाते हैं।

जलापूर्ति व अग्नि समस्याओं को कम करने फायर फाइटर टैंकर होगा उपयोगी

33 ग्राम पंचायतों को विधायक प्रणय पांडेय ने भेंट किये फायर फाइटर

कटनी (स्वतंत्रमत)। वाकल ग्रीष्मकालीन समय आगजनी की घटनाओं पर काबू पाने और पेयजल संकट से निपटने जलापूर्ति समस्याओं के निदान के लिए आधुनिक तकनीक से लैस फायर फाइटर टैंकर बेहतर उपयोगी होगा। फायर फाइटर टैंकर की उपलब्धता बहोरीबंद विधानसभा मे हो इसके लिए विधायक प्रणय पांडेय के द्वारा खास पहल की गई है। सोमवार को बहोरीबंद विधानसभा की 33 ग्राम पंचायतों को विधायक प्रणय पांडेय ने फायर फाइटर टैंकर प्रदान किये । विधायक के द्वारा ग्राम पंचायत कौडिया, बंधी धूरी, भेड़ा, तेवरी, बुधनवारा, पड़वार भखरवारा, नमखेडा, खम्हरिया, इमालिया, निहडूडी बाकल, बाकल, पटीकला, नयाछेड़ा, उमरिया, बरेहटा, बरजी, भरतपुर, देवांगव, खम्हरिया नंबर 1, खिरवा, देवरिकला, बिरुहली, सुपेली, पथराड़ी पिपरिया, कूड़ा घनिया, ककरेहटा, सिरुसी, तिलगवाँ, थनौरा, खरखरी व करहिया के विधायक निधि से पानी के टैंकर (फायर फाइटर)



प्रदान किए हैं। यह महत्वपूर्ण कदम क्षेत्र में जलापूर्ति की समस्याओं को कम करने तथा अग्नि सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने के उद्देश्य से उठाया गया । विधायक प्रणय पांडेय ने कहा कि इन टैंकरों की मदद से ग्रामीण क्षेत्रों में पानी की आपूर्ति को सुनिश्चित करने के साथ-साथ आपातकालीन स्थिति में जल आपूर्ति का कार्य तेजी से किया जा सकेगा। खासकर गर्मियों के मौसम में जल संकट की स्थिति को देखते हुए यह टैंकर ग्रामीण जनता के लिए अत्यंत उपयोगी साबित होंगे। साथ हीए आग लगने की स्थिति में फायर फाइटर टैंकर को देखते हुए यह टैंकर ग्रामीण जनता के लिए अत्यंत उपयोगी साबित होंगे। साथ हीए आग लगने की स्थिति में फायर फाइटर टैंकर के रूप में यह वाहनों का इस्तेमाल किया जा सकेगा, जिससे किसी भी दुर्घटना या आपदा में समय पर कार्रवाई संभव होगी। एक फायर फाइटर टैंकर की कीमत 2 लाख

50 हजार रुपये है। इस अवसर पर मंडल के जनप्रतिनिधि, पंचायत सरपंच एवं क्षेत्र के कार्यकर्ताओं ने विधायक की इस पहल की प्रशंसा की और कहा कि यह कदम क्षेत्र की विकास प्रक्रिया को गति देगा तथा ग्रामीण जनता को बेहतर सेवा मुहैया कराएगा। विधायक प्रणय पांडेय ने पंचायतों के प्रतिनिधियों को टैंकर सौंपते हुए क्षेत्र के समग्र विकास के लिए कार्य करने को कहा।

आधुनिक तकनीक से लैस फायर फाइटर-फायर फाइटर टैंकर मे जल संकट से निजात दिलाने के साथ-साथ आग जैसी संसाधन भी उपलब्ध है। फायर फाइटर टैंकर मे पानी की उपलब्धता के लिए मशीन संयंत्र लगा हुआ है, जो किसी भी तालाब,

जलाशय ओर नदी से पानी खींचकर टैंकर मे भरा जा सकता है! साथ ही आगजनी की घटना पर तुरंत उक्त स्थल पहुंचकर आग पर काबू पाने का काम करेगा। यह पहल स्थानीय प्रशासन और जनता के बीच सहयोग और समन्वय को बढ़ावा देने वाली साबित होगी। ग्रामीण क्षेत्रों में जल संसाधनों के प्रबंधन और अग्नि सुरक्षा के महत्व को देखते हुए इस तरह की सुविधाएं बेहद आवश्यक हैं। टैंकरों के माध्यम से जल वितरण तंत्र मजबूत होगा, जिससे कृषि, घरेलू और आपातकालीन आवश्यकताओं को पूरा करना आसान होगा। इस दौरान बाजपा मंडल अध्यक्ष दीपू शुक्ला, डॉ पीयूष अग्रवाल, लोकेश ब्योहार, अमितपुरी गोस्वामी सहित विभिन्न ग्राम पंचायतों के सरपंच-सचिव उपस्थित रहे।

शरद पूर्णिमा पर मंदिरों में बटी खीर

कटनी (स्वतंत्रमत)। शरद पूर्णिमा के पावन अवसर पर शहर सहित आसपास के क्षेत्रों के मंदिरों में सुबह से ही धार्मिक उत्साह और भक्ति का माहौल रहा। शहर के प्रसिद्ध सत्यनारायण मंदिर, लक्ष्मीनारायण मंदिर, बिलहरी के समीप बांधा, इमलाज सहित विभिन्न स्थानों पर स्थित कृष्ण मंदिरों में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। इस दौरान महिलाओं ने विशेष रूप से पूजन और आरती कर परिवार की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। शरद पूर्णिमा के अवसर पर मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। महिलाओं ने भगवान के समक्ष दीप प्रज्वलित कर पूजा-अर्चना की तथा धार्मिक परंपराओं के अनुसार आरतों में भाग लिया। मंदिरों में भक्ति गीतों और पूजापाठ के बीच वातावरण भक्तिमय बना रहा। श्रद्धालुओं ने भगवान के दर्शन कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। वहाँ, शहर के प्रसिद्ध सत्यनारायण मंदिर में शरद पूर्णिमा के अवसर पर मेले का आयोजन किया गया। मेले को लेकर श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों में उत्साह देखा गया। मंदिर परिसर में दर्शन-पूजन के लिए लोगों की आवाजाही बनी रही। पर्व के चलते मंदिरों में विशेष धार्मिक गतिविधियां आयोजित की गईं। शरद पूर्णिमा पर खीर का विशेष महत्व माना जाता है। शहर के विभिन्न मंदिरों में खीर प्रसाद का वितरण किया जा रहा।

वोट चोरी के रिवलाफ कांग्रेस का दिल्ली कूच 1 नवंबर की महारैली में जुटेंगे कार्यकर्ता



कटनी (स्वतंत्रमत)। कथित वोट चोरी और चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता के मुद्दे को लेकर कांग्रेस ने वोट बचाओ, देश बचाओ अभियान की 1 नवंबर को दिल्ली में आयोजित होने वाली महारैली की तैयारियां तेज कर दी हैं। जिला कांग्रेस कमिटी के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में कांग्रेस नेताओं ने मताधिकार की रक्षा, निष्पक्ष चुनाव और लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूती का मुद्दा उठाते हुए कार्यकर्ताओं से दिल्ली महारैली में भागीदारी का आह्वान किया। कार्यक्रम में सांसद कल्याण काले एवं मंडला जिले की बिछिया विधानसभा के विधायक नारायण पट्टा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। शहर कांग्रेस अध्यक्ष एडवोकेट अमित शुक्ला एवं ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष सौरभ सिंह की मौजूदगी में वोट बचाओ, देश बचाओ अभियान की रूपरेखा और दिल्ली महारैली की तैयारियों को लेकर चर्चा की गई। मुख्य अतिथि सांसद कल्याण काले एवं विधायक नारायण पट्टा ने कहा कि वोट की निष्पक्षता लोकतंत्र की

बुनियाद है। प्रत्येक मतदाता के मताधिकार की रक्षा और चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करना आवश्यक है। कथित वोट चोरी के मुद्दे पर मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा के लिए कांग्रेस लगातार आवाज उठा रही है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से 1 नवंबर को दिल्ली में आयोजित महारैली में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर लोकतंत्र की आवाज बुलंद करने का आह्वान किया। जिला कांग्रेस कमिटी शहर अध्यक्ष एडवोकेट अमित शुक्ला ने कहा कि वोट बचाओ, देश बचाओ अभियान केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि लोकतंत्र और जनता के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा का संकल्प है। प्रत्येक नागरिक के वोट का सम्मान और चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता लोकतंत्र की मजबूती के लिए बेहद जरूरी है। कथित वोट चोरी के मुद्दे को जन-जन तक पहुंचाकर निष्पक्ष चुनाव और पारदर्शी निर्वाचन व्यवस्था को मांग को मजबूती से उठाना जाएगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के

लिए एकजुट होकर अपनी आवाज बुलंद करेंगे। 1 नवंबर को दिल्ली में आयोजित महारैली में कटनी के कांग्रेसजन भागीदारी कर मताधिकार की सुरक्षा और लोकतंत्र की मजबूती के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करेंगे। उन्होंने सभी कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से अभियान को सफल बनाने और महारैली में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में महाराष्ट्र से राजा गोदिक्षण, प्रभावी दुर्गेश पटेल, महिला कांग्रेस अध्यक्ष रजनी वर्मा, पूर्व विधायक बसंत सिंह, प्रेम बत्रा, प्रियदर्शन गौर, राकेश जैन कक्षा, राकेश द्विवेदी गुड्डू प्रशांत जायसवाल, विजय पटेल, महेंद्र जैन, जीतू गुप्ता, अजय जैसवानी, कमल पांडे, मोहम्मद इजराइल, आनंद पटेल, अजय खटीक, राहुल होतवानी, कछू दास बैरागी, संतोष यादव, मुकेश परोहा, रंजीत सिंह, दिग्विजय सिंह, संजय गुप्ता एवं जालिम यादव सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आस्था, अध्यात्म, श्रद्धा और धार्मिक पर्यटन का बड़ा केन्द्र बनेगा मां बगलामुखी देवी लोक : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री ने मां बगलामुखी देवी लोक के पहले चरण में होने वाले 85.40 करोड़ रूपए लागत के कार्यों का किया भूमि-पूजन

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आने वाले समय में नलखेड़ा में बन रहा मां बगलामुखी देवी लोक आस्था, अध्यात्म, श्रद्धा, अनुभव और धार्मिक पर्यटन का एक बड़ा केन्द्र बनकर उभरेगा। उन्होंने कहा कि देश-दुनिया से नलखेड़ा आने वाले श्रद्धालुओं को अब यहां विश्व स्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोमवार को आगर-मालवा जिले की सुसनेर विधानसभा क्षेत्र के नलखेड़ा में विश्व प्रसिद्ध मां बगलामुखी मंदिर परिसर में प्रस्तावित भव्य देवी लोक परियोजना का भूमि-पूजन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पहले मां बगलामुखी मंदिर पहुंचकर माता रानी के दर्शन किए, विधि-विधान से पूजा-अर्चना की तथा प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की प्रार्थना की। वैदिक मंत्रोच्चार के साथ उन्होंने भव्य देवी लोक परियोजना के प्रथम चरण के कार्यों का भूमि-पूजन कर शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया और सिंगल क्लिक से निर्माण कार्यों का भूमि-पूजन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज नलखेड़ा में 85.40 करोड़ रुपए लागत के मां बालामुखी देवी लोक का भूमि-पूजन हुआ है। यहां की महिमा अद्भुत है। मां सभी की मनोकामनाएं पूरी करती हैं। प्रधानमंत्री



नरेन्द्र मोदी के द्वारा हुए उज्जैन में श्रीमहाकाल लोक के लोकार्पण के बाद पूरा मालवांचल का वातावरण बदल गया है। अब मां बगलामुखी देवी लोक के विकास कार्यों को गति दी जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा नलखेड़ामार्ग में आने वाली पुलिससड़क को आवश्यकतानुसार चौड़ा किया जाएगा, जिससे आवागमन में कोई परेशानी न हो।

नागरिकों को मिली बड़ी सौगात

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि आमला से नलखेड़ा तक 55 करोड़ रूपए से अधिक की लागत से लगभग 14 किमी लंबा एक नया बायपास भी बनाया जा रहा है। इस नए फोरलेन के भूमि-पूजन के माध्यम से नागरिकों को बड़ी सौगात मिल रही है। उन्होंने बताया कि लखुंदर नदी पर श्रद्धालुओं के सुरक्षित और सुगम आवागमन के लिए 13.77 करोड़ की लागत से एक नया और

विशाल उच्च स्तरीय पुल भी बनाया जा रहा है। साथ ही इस स्थान की सड़क, रेल और हवाई कनेक्टिविटी भी मजबूत की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा बैजनाथ का भी भव्य-दिव्य धाम बन रहा है। मां बगलामुखी का धाम भी ऐसा ही भव्य बनेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रदेश के 14 से अधिक धार्मिक स्थलों को दिव्यलोक बनाने का संकल्प लिया है। इसमें श्रीराम की नगरी ओरछा, उज्जैन में महाकाल लोक, ओंकारेश्वर में एकात्म धाम, चित्रकूट धाम भी शामिल हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि नलखेड़ा में लखुंदर नदी के तटों पर सुंदर और भव्य घाट बनाए जाएंगे। यहां पूरे परिसर और पार्किंग क्षेत्र का विस्तार होगा। साफ-सुथरे शौचालय, पक्की सड़कें और अतिथियों के लिए भवन भी बनाया जाएगा।

मां बगलामुखी देवी लोक के पहले चरण में होने वाले काम

विश्व प्रसिद्ध मां बगलामुखी देवी के पहले चरण में लगभग 85.40 करोड़ रुपये की लागत से भव्य निर्माण कार्य किए जाएंगे। इसमें मंदिर के मुख्य शिखर की ऊंचाई 108 फीट होगी। मुख्य मंदिर का निर्माण 2,800 वर्गमीटर क्षेत्र में किया जाएगा, जिसमें मंदिर के गर्भगृह एवं ऊपरी संरचना का निर्माण तथा पत्थर की क्लैडिंग का कार्य सम्मिलित है। धार्मिक अनुष्ठानों एवं वैदिक यज्ञों के लिए 220 यज्ञ शालाओं का विकास किया जाएगा। इसके साथ ही 625 वर्गमीटर क्षेत्र में गौशाला का निर्माण किया जाएगा। श्रद्धालुओं की सुगम आवाजाही एवं दर्शन व्यवस्था के लिये मंदिर कॉरिडोर एवं प्रांगण का विकास किया जाएगा। विशिष्ट अतिथियों के लिये आवश्यक सुविधाओं के साथ वीवीआईपी भवन का निर्माण होगा। परिसर में 4 भव्य मुख्य प्रवेश द्वारों का निर्माण तथा संपूर्ण परिसर की सुरक्षा के लिये बाउंड्री वॉल का निर्माण किया जाएगा। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए चारपहिया वाहन पार्किंग, बस पार्किंग और शौचालय ब्लॉक का निर्माण किया जाएगा। परिसर का समग्र भूमि विकास, उद्यान एवं हरित क्षेत्रों के सौंदर्यीकरण के लिये लैंडस्केपिंग एवं साइट डेवलपमेंट का कार्य किया जाएगा। इसके अतिरिक्त आधारभूत सुविधाओं के अंतर्गत आंतरिक एवं बाहरी पार्किंग क्षेत्र का विस्तार होगा। साफ-सुथरे प्लांबिंग, अग्निशमन व्यवस्था एवं अन्य आवश्यक सेवाओं का विकास किया जाएगा।

एसएमएस मशीन चेक करने के लिए मैदानी अमले को दिया गया प्रशिक्षण

दमोह (स्वतंत्र मत)। कलेक्टर प्रताप नारायण यादव के मार्गदर्शन में नरवाई प्रबंधन के तहत हार्वेस्टर में लगने वाले स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम को चेक करने के लिए मैदानी अमले को विशेष प्रशिक्षण दिया गया। यह प्रशिक्षण सहायक कृषि यंत्री, दमोह द्वारा मैदानी अमले, वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी, कृषि विस्तार अधिकारी, पटवारी, पंचायत सचिव व रोजगार सहायक को प्रदान किया गया। प्रशिक्षण में अमले को विस्तार से बताया गया कि कम्बाइन हार्वेस्टर में एसएमएस मशीन कैसे चेक की जाती है, यह हार्वेस्टर में किस स्थान पर लगी होती है, कैसी होती है और किस प्रकार कार्य करती है। यदि हार्वेस्टर में एसएमएस सिस्टम नहीं लगा होता है तो यह पराली को साबुत निकालकर खेत में गिरा देता है। इसके बाद किसान भाई उसमें आग लगाते हैं जिससे जमीन की उर्वरा शक्ति कम होकर बंजर हो जाती है और बीमारियां फैलती हैं।

युवा संगम रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिस मेला आज दमोह (स्वतंत्र मत)। प्रदेश शासन के तकनीकी शिक्षा कौशल विकास एवं रोजगार विभाग एवं कलेक्टर प्रताप नारायण यादव के निर्देशानुसार आज 27 अक्टूबर को शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय दमोह में प्रातः 11 बजे से युवा संगम रोजगार स्वरोजगार एवं अप्रेंटिस मेला आयोजित किया जा रहा है। इस मेले का मुख्य उद्देश्य युवाओं को निजी क्षेत्र की प्रतिष्ठित कंपनियों में रोजगार/अप्रेंटिस का अवसर उपलब्ध कराने के साथ-साथ स्वरोजगार योजनाओं की जानकारी एवं मार्गदर्शन प्रदान करना है।

स्वर्णकार जयंती पर निकाली शोभायात्रा

महाआरती के साथ हुआ मंचीय कार्यक्रम

दमोह (स्वतंत्र मत)। सर्व स्वर्णकार सोनी समाज के आदि पुरुष महाराज अजमीढ़ देव का जन्म जयंती समारोह दमोह में धूमधाम से मनाया गया। एक दिन पहले एक घंटा घर पर दीप जलाकर कर कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। सोमवार सुबह दमोह के बकौली चौराहे पर महाराज अजमीढ़ देव के पूजन के साथ एक शोभा यात्रा निकली। शोभायात्रा वकौली चौराहा से होती हुई टॉकीज तिराहा, पुराना थाना, महाकाली चौक होते हुए वापस



घंटाघर से बकौली चौराहा पहुंची। समापन कार्यक्रम के पहले सर्वस्वर्णकार सोनी समाज के महाराजा अजमीढ़ देव की महाआरती की। इसके बाद वहां पर मौजूद है मातृशक्ति की प्रतिनिधि के रूप में कवित्री मनोरमा रातले ने

उपस्थित लोगों को संबोधित किया। इसके बाद हटा से पधारे लोगों को संबोधित किया। कार्यक्रम के अगले चरण में समाज की नन्ही बालिकाओं द्वारा नृत्य नाटिका प्रस्तुत की गई। वही कार्यक्रम मौजूद वरिष्ठ समाज के सदस्य कपिल सोनी, मनीष सोनी,

पटेरा, पथरिया, हटा से पधारे लोगों ने उपस्थित लोगों को संबोधित किया। कार्यक्रम के अगले चरण में समाज की नन्ही बालिकाओं द्वारा नृत्य नाटिका प्रस्तुत की गई। वही कार्यक्रम मौजूद वरिष्ठ समाज के सदस्य कपिल सोनी, मनीष सोनी,

पंकज जड़िया, अनुपम जड़िया, सुशील सोनी, बृज किशोर सोनी ने संबोधित किया। इस दौरान डॉ. नवीन सोनी, डॉ. गौरीशंकर सोनी सहित समाज के वरिष्ठ जनों की मौजूदगी रही। कार्यक्रम में अञ्जू जड़िया, दीपेश सोनी, राजाराम सोनी, रीतेश सोनी, राजेश सोनी, मोहनशी सोनी, राजेंद्र सोनी, श्याम बिहारी, प्रेम सोनी, विष्णु जड़िया, श्रीकांत सोनी, श्यामू जड़िया, रामू जड़िया, कृष्णा सोनी, नेहाल सोनी, राजेश सोनी, कैलाश सोनी, शुभम सोनी, ध्रुव सोनी सहित मातृशक्ति की मौजूदगी रही। अंत में युवा स्वर्णकार समाज अध्यक्ष वीरेंद्र सोनी ने सभी का आभार माना। संचालन मनीष सोनी ने किया।

श्रृष्टि की अंतिम ध्वनि ओम थी : आरती राजदान

ओशो की ध्यान विधियां व्यक्ति के आंतरिक विकास की यात्रा है

दमोह (स्वतंत्र मत)। रॉयल दमयंती पैलेस में आयोजित चार दिवसीय ओशो महोत्सव सोजन 4 के दूसरे दिन रविवार की शुरुआत डायनेमिक ध्यान से हुई। इस दौरान देश के अलग-अलग शहरों से आए ओशो संन्यासियों ने ध्यान की विभिन्न विधियों का अभ्यास किया। ओशो की वाणी, गोंग साउंड हीलिंग और बांसुरी की मधुर धुनों के बीच साधकों ने ध्यान के माध्यम से स्वयं से जुड़ने का अनुभव किया। इससे पहले रड़की से आए ओशो संन्यासी स्वामी सागर ने ध्यान की पांच विधियों के बारे में बताया। उन्होंने



ओशो की वाणी के साथ संन्यासियों को ध्यान कराया। इसके बाद मुंबई से आई मां आरती राजदान ने ओमकार ध्यान का सत्र लिया। करीब एक घंटे चले इस सत्र में गोंग साउंड हीलिंग, बांसुरी की धुन और उनके स्वयं के स्वर के माध्यम से

ध्यान कराया गया। सृष्टि की पहली प्रतिध्वनि ओम थी। मां आरती राजदान ने ओमकार के महत्व को समझाते हुए कहा कि ओम ऐसा शब्द है जिसे किसी ने गढ़ा नहीं बल्कि यह अस्तित्व में पहले से ही गुंज रहा है। बड़े-बड़े वैज्ञानिक भी

1,134 करोड़ की नगरीय निकाय खरीदी में 250 करोड़ का घोटाला!

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मध्य प्रदेश के नगरीय निकायों में खरीदी और निर्माण कार्यों को लेकर अपर मुख्य सचिव संजय दुबे द्वारा सामने लाई गई अनियमितताओं की जानकारी पर प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता भूपेन्द्र गुप्ता ने गंभीर सवाल उठाए हैं। गुप्ता ने यह केवल सरकारी खरीदी में गड़बड़ी का मामला नहीं, बल्कि शासकीय खरीदी में केंद्रीयकृत भ्रष्टाचार का खुलासा है। गुप्ता ने कहा कि लघु उद्योग निगम,मार्कफेड एवं एगो इंडस्ट्रीज कारपोरेशन जैसी संस्थाओं को खरीद प्रक्रिया से वंचित कर पारदर्शी टेंडर और रेट कंट्रैक्ट की प्रक्रिया को नष्ट किया गया है जिसमें क्रालिटी कंट्रोल और उत्पादन क्षमता का सत्यापन होता था। जेम में न्यूनतम दरों के नाम पर अमानक सामानों की खरीद हो रही है और राज्य स्तरीय उद्यमिता पर चोट हो रही है। सरकार द्वारा आधे से अधिक नगर पालिकाओं और परिषदों में प्रभारी सीएमओ के माध्यम से काम कराया जा रहा है जो भ्रष्टाचार को बल दे रहा है। गुप्ता ने कहा कि पिछले तीन वर्षों में प्रदेश के 374 नगरीय निकायों ने जेम पोर्टल के माध्यम से लगभग 1,134 करोड़ रुपये की खरीदी की। जिसमें लगभग 250 करोड़ रुपये कीअनियमितता का अनुमान बताया जा रहा है।जो लगभग 25 प्रतिशत के बराबर है। सरकार को बताना चाहिए कि सरकारी खरीदी की दरों में इतना बड़ा अंतर कैसे पैदा हुआ? क्या

कांग्रेस प्रवक्ता भूपेन्द्र गुप्ता ने सरकार की मंशा पर उठाए गंभीर सवाल



इसके पीछे बाजार दरों की अनदेखी, कमजोर निगरानी, मिलीभगत या अधिकारियों और सप्लायरों के बीच किसी प्रकार का गठजोड़ था? इन सवालों का जवाब निष्पक्ष जांच से ही मिल सकता है। इस मामले में 22 नगर पालिका परिषदों और 39 नगर परिषदों में अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जानकारी सामने आई है। इसमें 135 छरूह स्तर के अधिकारियों पर कार्रवाई बताती है कि स्थानीय संस्थाओं में खुली लूट मची हुई है। सरकार बताये कि इनमें से कितनी संस्थाओं में नियमित आडिट नहीं हुआ है। मात्र तीन से चार करोड़ रुपये की वसूली से स्पष्ट होता है कि सरकार का डर समाप्त हो गया है। गुप्ता ने मांग की कि सरकार को जांच के निष्कर्ष सार्वजनिक करने चाहिए। यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि कितनी राशि की

महर्षि वाल्मीकि की जयंती मनाई गई

दमोह (स्वतंत्र मत)। दमोह जिले के बजरिया वार्ड 3 स्थित गजानन टेकरी पहाड़िया पर महर्षि वाल्मीकि स्वामी एवं राम दरबार के चित्रों पर माल्यार्पण कर, ध्वजारोहण एवं विधिविधान से पूजा-अर्चना की गई। इस पावन अवसर पर बजरिया वार्ड 3 दमोह के बाल्मिक समाज के पार्षद सहित वाल्मीकि समाज के वरिष्ठजन, युवा साथी, मित्राण, मातृशक्ति एवं बच्चों की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी ने श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ पूजा-अर्चना कर महर्षि वाल्मीकि जी का आशीर्वाद प्राप्त किया। हमारी एकता, हमारा भाईचारा और बच्चों में अच्छे संस्कार ही समाज की असली ताकत हैं।

वाहनों में आरएफ टैग लगाने 28 को लगेगा शिविर दमोह (स्वतंत्र मत)। कलेक्टर प्रताप नारायण यादव के निर्देश पर खनिज परिवहन करने वाले वाहनों में शासन के निर्देशानुसार आरएफ टैग लगाने के लिए 28 अक्टूबर बुधवार को कलेक्ट्रेट स्थित खनिज शाखा में शिविर आयोजित किया जाएगा। खनिज अधिकारी ने जिले के समस्त खनिज परिवहन करने वाले वाहन मालिकों से अपील की है कि वे निर्धारित तिथि को शिविर में उपस्थित होकर अपने वाहनों में आरएफ टैग लगवाना सुनिश्चित करें। आरएफ टैग लगाए जाने से खनिज परिवहन करने वाले वाहनों की निगरानी एवं परिवहन व्यवस्था को अधिक सुगम, पारदर्शी और प्रभावी बनाने में सहायता मिलेगी। उन्होंने सभी संबंधित वाहन मालिकों से कहा है शासन के निर्देशों का पालन करते हुए निर्धारित तिथि पर शिविर में पहुंचकर आवश्यक कार्यवाही पूर्ण कराएं ताकि उनके द्वारा खनिज का परिवहन के दौरान शासन आदेश का उल्लंघन न हो ।

पुस्तक ने करो- 15 का हुआ विमोचन



दमोह (स्वतंत्र मत)।

दमोह के लेखक सत्येंद्र तुलाराम साहू द्वारा लिखित प्रेरणादायी पुस्तक ने करो-15 का विमोचन भोपाल के रविंद्र भवन में आयोजित अनमोल यादें कार्यक्रम में किया गया। सदी के स्वर-सम्राट एवं युगपुरुष स्व.मुकेश, मोहम्मद

रफी, आशा भोसले, लता जी के अमर गीतों को समर्पित इस सुरमई संध्या में पुस्तक का विमोचन मुख्य अतिथियों एवं विशिष्ट अतिथियों ने किया।

एंजेल म्यूजिकल ग्रुप एवं देवोतर सेवा फाउंडेशन द्वारा आयोजित रंगारंग कार्यक्रम में आईजी आईपी कुलश्रेष्ठ, डॉ.

सुश्री मधु चौधरी, रामबाबू शर्मा, सिंरार ओम चतुर्वेदी मुंबई, आरके शर्मा, आशीष दुबे, मनीषा शर्मा, राजीव वर्मा एवं आशु खान, विपिन शर्मा ने पुस्तक का विमोचन किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में साहित्य,कला एवं सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोग मौजूद रहे।

आम सूचना

परिवार एवं संपत्ति से पृथक करने संबंधी सूचना

जनता को सूचित किया जाता है कि हम श्री महेेश केशवानी एवं श्रीमती भावना केशवानी, निवासी जबलपुर नग्न एतद् द्वारा सार्वजनिक रूप से सूचित करते हैं कि हमारा पुत्र श्री चेतन केशवानी एवं पुत्रवधू श्रीमती डॉली भगोशिया अप्रैल 2026 से हमसे अलग रह रहे हैं। अतः स्वतः दोनों के व्यक्तिगत, वैवाहिक, आर्थिक एवं अन्य स्वतंत्र कार्यों तथा उनके आपसी विवादों से हमारा कोई संबंध अथवा सहभागिता न होने की स्थिति में हमें उत्तरदायी न माना जाए। हम उनके स्वतंत्र कृत्यों अथवा लेन-देन के लिए किसी प्रकार की सहमति, गारंटी या जिम्मेदारी स्वीकार नहीं करते एवं अपनी समस्त चल अचल संपत्ति से बेदखल करते हैं।

सूचनाकर्ता:

श्री महेेश केशवानी एवं श्रीमती भावना केशवानी निवासी: जबलपुर, मध्य प्रदेश धीरज कुमार कुकरेजा (अधिवक्ता)

मो. 9424686530, 9329379091

